RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 293 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 9 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बदले गए छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, इन्हें मिली कमान

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विष्णुदेव साय को पदमुक्त कर, बिलासपुर सांसद अरुण साव को दी जिम्मेदारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल हो गया है। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व में ने छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष बदल दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिलासपुर सांसद अरुण साव को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। उन्हें विष्णुदेव साय की जगह प्रदेश भाजपा संगठन की कमान सौंपी गई है। प्रदेश भाजपा के बाद अब माना जा रहा है। संगठन प्रदेश में जिला स्तर पर बड़ा फेरबदल कर सकती है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव की साय को पदमुक्त कर उनकी जगह बिलासपुर के अरुण साव को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। प्रदेश भाजपा मे बदलाव की लंबे समय से चर्चा हो रही थी और मंगलवार को इस पर विराम लग गया है।

कल तक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के लिए विधायक नारायण चंदेल का भी नाम चर्चे में था। लेकिन अंततः बिलासपुर सांसद अरूण साव की ताजपोशी आज कर दी गई। भाजपा आने वाले विधानसभा चुनाव में दमदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की सत्ता में फिर से काबिज होने की कोशिश में लगी हुई है। साव की ताजपोशी को भाजपा की विधानसभा चुनाव में नए जोश के साथ उतरने का संकेत माना जा रहा है। इसके साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बदलने की भी चर्चा तेज हो गई है। अब जब पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखने वाले साहू समाज के अरूण साव को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बना दिया गया है तो नेता प्रतिपक्ष का पद किसी और समाज को मिलने की संभावना जताई जा रही है।

नीतीश की नई सरकार? मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मिलने का समय मांगा

पटना (एजेंसी)। बिहार में नया गठबंधन के आकार लेने और एनडीए में टूट की आहट साफ सुनाई दे रही है। सीएम आवास पर जेडीयू की अहम बैठक हो रही है। इस बीच सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगा है। वहीं सूत्रों के अनुसार आज राबड़ी आवास पर चल रही विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार के नाम पर मुहर लग गई है। सूत्रों ने यह भी बताया है कि नीतीश कुमार के साथ तेजस्वी यादव भी राज्यपाल से मिलने जा सकते हैं। वहीं समाचार छपे जाने तक राज्यपाल से मुलाकात नहीं हो पाई थी।

इस बीच राजद खेमे से एक बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि तेजस्वी यादव ने राजद के सभी विधायकों से समर्थन पत्र पर साइन करवा लिया है। सूत्रों ने बताया है कि तेजस्वी यादव समर्थन पत्र नीतीश कुमार को सौंपेंगे। इस बीच खबर यह भी सामने आ रही है कि बीजेपी मंत्री गठबंधन टूटने से पहले इस्तीफा दे सकते हैं।

दरअसल, आरसीपी सिंह की बीजेपी के साथ नजदीकियां और उनका पार्टी से इस्तीफा देने के बाद सीएम नीतीश पर हमलावर होना जेडीयू को काफी नागवार लगा। इसके पहले पिछले दिनों पटना में बीजेपी ने अपने विभिन्न मोर्चों की संयुक्त कार्यकारिणी की बैठक कर 200 विधानसभा सीटों के लिए रूपरेखा तैयार की। यह भी जेडीयू को अच्छा नहीं लगा। जवाब में जेडीयू ने कहा कि उसकी तैयारी 243 सीटों के लिए है।

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान और नतीजों के तुरंत बाद से ही नीतीश कुमार कुछ खफा-खफा नज़र आने लगे थे लेकिन जिन दो वजहों ने बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए कैंसर का काम किया उनमें से एक हाल में बीजेपी द्वारा पटना में अपने विभिन्न मोर्चों की संयुक्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर 200 विधानसभा सीटों के लिए रूपरेखा तैयार करना और दूसरी विधानसभा में स्पीकर विजय कुमार सिन्हा से नीतीश कुमार की तीखी बहस होना है। इसके बाद आरसीपी सिंह प्रकरण ने आग में घी डालने का काम किया।

हिमाचल में भाजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर, कांग्रेस मजबूत स्थिति में-भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस वहां आगामी चुनावों में सफलता हासिल करने की मजबूत स्थिति में है। वह सोमवार शाम शिमला से लौटने के बाद यहां स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रहे थे।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस द्वारा वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए बघेल ने कहा कि उन्होंने रविवार और सोमवार को वहां पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में मजबूत स्थिति में है। भाजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है। कांग्रेस के पक्ष में बहुत अच्छा माहौल है। अगर हम सब एक साथ लड़ेंगे, तो हम निश्चित रूप से सफलता हासिल करेंगे।

इससे पहले विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने हिमाचल के लोगों के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने एलान किया है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो 300 यूनिट घरेलू बिजली मुफ्त दी जाएगी। 18 से 60 साल की महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये भत्ता दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये फैसले कोर कमेटी की बैठक में लिए गए हैं। सोमवार को राज्य अतिथि गृह पीटरहाफ में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तर्ज पर हिमाचल में भी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी। बजट में इसके लिए प्रावधान करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों से पेंशन के नाम पर केंद्र के पास करोड़ों की धनराशि जमा है। इस राशि को वापस मांगा जाएगा। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए किस तरह से पेंशन देगी, इसके लिए वह स्वतंत्र है। राज्य के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में स्वरोजगार के लिए 680 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया जाएगा। इस धनराशि से पांच लाख लोगों को तीन साल की अवधि के लिए ब्याज मुक्त ऋण देंगे।

22 बच्चों की तबीयत खराब, अस्पताल में भर्ती, स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया कैंप, डायरिया या फूड पॉइजनिंग?

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 22 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को बच्चे स्कूल से घर पहुंचे, उसके बाद तबीयत खराब हुई है। घबराए परिजनों ने पहले तो बच्चों को घरेलू उपचार किया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता और मितानिन को भी जानकारी दी गई। मितानिन ने दवाई भी दी, लेकिन बच्चों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह डायरिया है या फूड पॉइजनिंग स्वास्थ्य विभाग इसकी जांच कर रही है। घटना कोटा ब्लॉक का है।

कोटा विकासखंड चिकित्सा अधिकारी निखलेश गुप्ता ने बताया कि सोनसाय नवागांव में 22 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टरों की टीम गांव पहुंची। बीमार बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनसाय नवागांव के पंडरी पानी और दो मुहानी मोहल्ले में उल्टी-दस्त और सर्दी, खांसी जैसी बीमारी से 22 बच्चों की तबीयत खराब हुई है। बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोंगसरा में भर्ती कराया गया। डॉक्टर दीक्षा की टीम उपचार कर रही हैं। पीएचई विभाग ने पानी का सैंपल लिया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची

चिकित्सा अधिकारी निखलेश गुप्ता ने बताया की बच्चों की तबीयत किस वजह से बिगड़ी है, इसकी जांच की जा रही है। यह फूड पॉइजनिंग है या डायरिया इसकी जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव में सर्वे करने कहा गया है। बीमार सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और बीमार बच्चों चेकअप करने के बाद 4 बच्चों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में भेजा गया हैं। बता दें कि बड़ी सख्या में एक ही गांव के बच्चों के बीमार होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

बस्तर में भारी बारिशः उफान पर नदी-नाले, कई गांवों का संपर्क टूटा, छत्तीसगढ़-तेलंगाना हाईवे बंद

बस्तर। दक्षिण छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। दो सिस्टम बने हैं, जिनका असर बस्तर संभाग के कई जिलों में रविवार से दिख रहा है। मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। जगदलपुर और बीजापुर में पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया है। भारी बारिश को देखते हुए बस्तर जिले में जिला प्रशासन ने स्कूल बंद कर दिए गए हैं। नदी-नाले उफान पर होने की वजह से छत्तीसगढ़-तेलंगाना नेशनल हाईवे फिर बंद हो गया है कई गांवों का संपर्क संभाग मुख्यालय से टूट गया है। बस्तर संभाग के सभी जिलों में प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

सतगुरू आश्रम से मिला ऐसा गुरू ज्ञान कि...

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

पुरानी कहावत है-'पानी पिओ छान कर, गुरू बनाओ जान कर'। स्वयं स्वामी विवेकानंद ने भी ऐसा ही किया था। रामकृष्ण परमहंस फक्कड़ संत थे। वे कहते थे कि मैं रुपया-पैसा नहीं छू सकता। नरेन्द्र दत्त उन्हें गुरू मानते थे। पर 'पैसा नहीं छू सकता' वाली बात पर उन्हें ज्यादा यकीन नहीं था। उन्होंने गुरू की परीक्षा लेने की ठानी। एक दिन जब परमहंस विश्राम कर रहे थे तो नरेन्द्र ने उनके शरीर से एक सिक्के का स्पर्श करा दिया। स्वामी जी पीड़ा से कराह उठे। नरेन्द्र ने इसके बाद कभी अपने गुरू पर संदेह नहीं किया। नरेन्द्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद कहलाए और पोंगा पंडिताई की जमकर आलोचना की। पर इन दिनों बाबाओं को गुरू बनाना एक फैशन स्टेटमेंट जैसा हो गया है। बड़े-बड़े बाबा होने लगे हैं। उनकी चमक दमक और गेटअप ही बता देता है कि वे ईश्वर के काफी करीब पहुंच चुके हैं। लोगों की इन बाबाओं में अंधी श्रद्धा भी है। गुरू भले ही अदालत में बलात्कारी साबित हो जाए पर शिष्यों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे अपराधी के समर्थन में सड़कों पर उतर आते हैं। यह किस्सा सतगुरु आश्रम झीमकी चौकी कोतबा का है। एक शिष्य ने यहां तांत्रिक छत्रमोहन यादव से अपनी परेशानी का हल पूछा। तांत्रिक छत्रमोहन ने उपाय भी बताया। मामला एक यादव परिवार से जुड़ा है। जशपुर बागबहार के महेशपुर के इस परिवार में दो भाई और एक बहन थी। एक भाई अपनी पत्नी के साथ रायगढ़ के भगवानपुर में रहता था। दोनों माली का काम करते थे और बमुश्किल अपना गुजारा चला पाते थे। दूसरा भाई खेत संभालता था। वह मानसिक रोगी था। घर के बाकी सदस्य भी बदहाली के ही शिकार थे। मामले को तांत्रिक के पास लेकर गया था परिवार की एकमात्र कन्या का पति। तांत्रिक ने उसे ज्ञान दिया कि रायगढ़ में रहने वाले भाई ने ही अपने भाई पर जादू-टोना किया है ताकि वह मंदबुद्धि हो जाए। उसका इरादा लौटकर अपनी जमीन पर कब्जा करना है। इससे बचने का भी एक वीभत्स हल उसने बताया। उसने कहा कि यदि किसी तरह रायगढ़ निवासी दंपति की हत्या कर दी जाए तो जादू-टोना कट जाएगा। इसके साथ ही सभी संकट स्वयमेव हटते चले जाएंगे और परिवार मालामाल हो जाएगा। उन्होंने सुझाव मान लिया और किराए की बोलेरो लेकर रायगढ़ पहुंच गए। दोनों को किसी बहाने से गाड़ी में बैठाया और रास्ते में उनकी हत्या कर दी। इसके बाद शवों को सीमेन्ट पोल के टुकड़ों से बांधकर उफनती महानदी में फेंक दिया। शव किसी तरह किनारे लग गए और पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। अब जीजा अपने चचेरे भाइयों समेत जेल में है। दिन वाकई फिर गए हैं। अब वे करोड़ों रुपए की विशाल इमारत में रहते हैं। चारों तरफ सशस्त्र सिपाहियों का पहरा है।

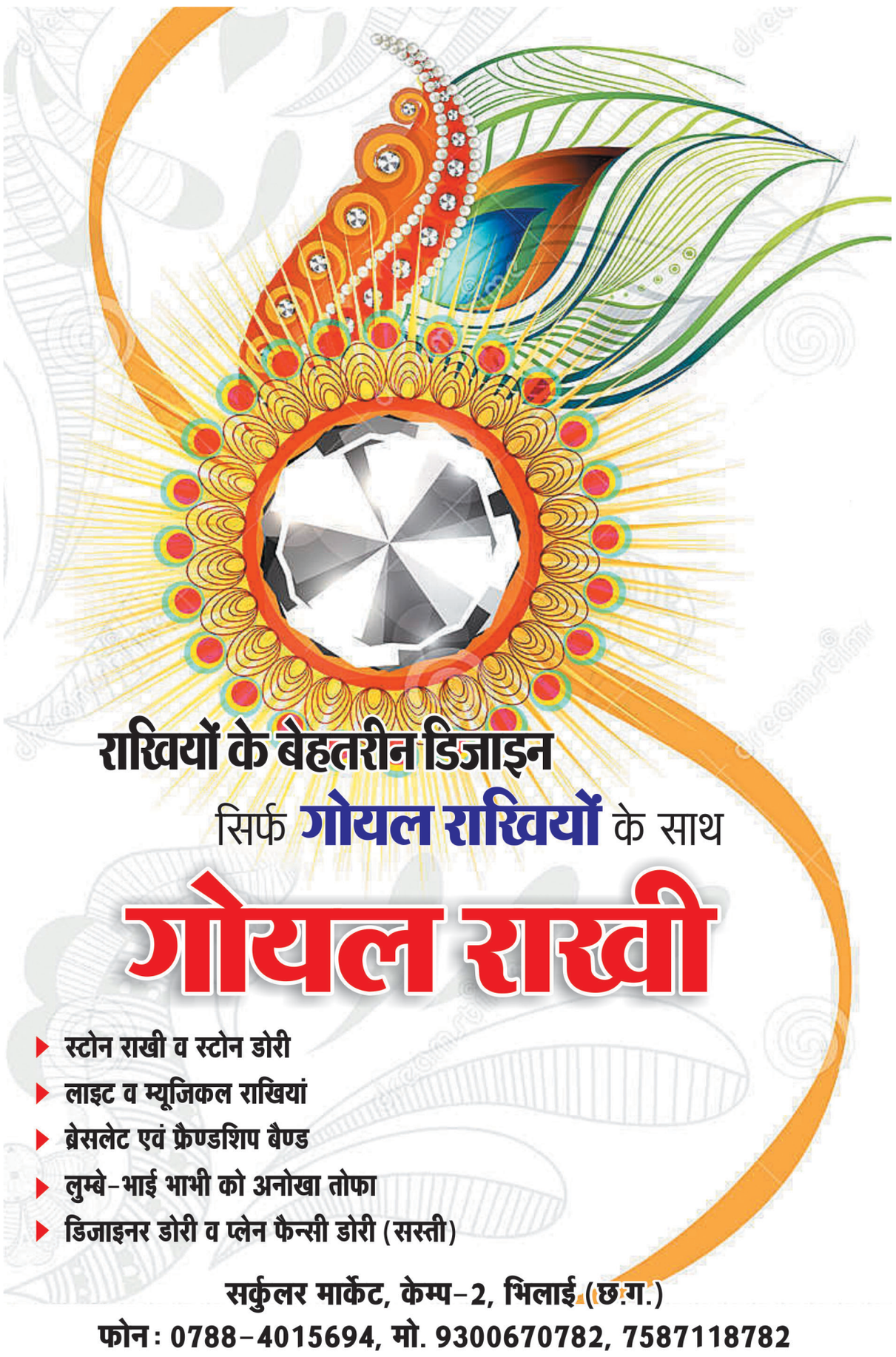

संपादकीय

राष्ट्रमंडल में परचम

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रदर्शन जितना सुखद, उतना ही उत्साहजनक भी रहा है। विशेष रूप से बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन में भारत की उपलब्धियां काफी मायने रखती हैं। बैडमिंटन में रविवार को ही तीन पदक पक्के हो गए थे, लेकिन तीनों ही मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों को जब स्वर्ण पदक हासिल हुए, तो यह अवसर बहुत विशेष बन गया है। पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन के स्वर्ण के अलावा सात्विक व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी स्वर्ण पर कब्जा करके फिर एक बार साबित किया है कि भारत बैडमिंटन में एक सशक्त राष्ट्र है। पीवी सिंधु की जितनी तारीफकी जाए कम होगी, वह अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत का सबसे सम्मानित चेहरा बन गई हैं। लगभग यही सम्मानजनक स्थिति मीराबाई चानू की भारोत्तोलन में और साक्षी मलिक की कुश्ती में बन गई है। इसी कड़ी में मुक्केबाजी में निकहत जरीन और कुश्ती में विनेश फोगाट का नाम जोड़ लीजिए, तो भारतीय लड़कियों ने फिर एक बार कमाल कर दिखाया है। खास यह कि इसमें इस बार एक नया नाम जुड़ा है, मुक्केबाज नीतू गंघास का। इन सभी महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण जीतकर भारतीय खेलों के लिए आगे की राह को प्रशस्त किया है। यह लड़कियों का ही दमखम है कि भारत राष्ट्रमंडल खेलों में सम्मान का परचम लहराने में कामयाब हुआ है।

> क्या हमारे देश में खेल सुविधाओं का स्तर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा या यहां तक कि न्यूजीलैंड के स्तर का भी नहीं है? भारतीय खेलों में अब पैसे की कोई कमी नहीं है, अतः भारत में खेल सुविधाओं में भी किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। बर्मिंघम के खेलों में हुई पदकों की बरसात और भी अच्छी हो सकती थी, लेकिन जो कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर करने पर सरकार का ध्यान जाना चाहिए।

हालांकि, इस बार प्रदर्शन पिछले राष्ट्रमंडल खेलों जितना अच्छा नहीं हुआ है। गोल्ड कोस्ट में आयोजित खेलों के पिछले संस्करण में भारत 26 स्वर्ण सहित 66 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा था। यहां यह भी याद कर लेना चाहिए कि भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नई दिल्ली में आयोजित 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में किया था। भारत 2010 की पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया था। तब भारत को रिकॉर्ड 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक हासिल हुए थे। मैनचेस्टर 2002 में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा था। तब कुल 69 पदकों में 30 स्वर्ण शामिल थे। मतलब इस बार के खेलों में अपने प्रदर्शन से भारतीय राष्ट्रमंडल दल को प्रसन्न तो होना चाहिए, लेकिन ज्यादा अभिभूत होने की जरूरत नहीं है। आबादी के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा जैसे देश हमसे बहुत पीछे हैं, पर उनका खेलों में हमसे बहुत आगे होना, अपने आप में एक कहानी बयान करता है। राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करीब 72 देशों के बीच चौथे स्थान पर होना मायने तो रखता है, लेकिन कहना न होगा, अब ऐसा प्रदर्शन भारत के आकार-प्रकार के बहुत अनुकूल नहीं है। महिला हॉकी टीम ने 16 साल बाद पदक हासिल किया है, तो पुरुषों की हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत निराश किया है। मुकाबले में 0-7 से हुई हार लंबे समय तक याद रहने वाली है। हॉकी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पुरुष हॉकी टीम ही नहीं, महिला हॉकी टीम भी स्वर्ण जीत चुकी है। क्या आखिरी के मुकाबलों में हम पूरे दमखम से नहीं खेल पा रहे हैं? क्या खेलों की दुनिया में हो रहे तेज बदलावों के साथ हम कदमताल नहीं कर पा रहे हैं? क्या हमारे देश में खेल सुविधाओं का स्तर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा या यहां तक कि न्यूजीलैंड के स्तर का भी नहीं है? भारतीय खेलों में अब पैसे की कोई कमी नहीं है, अतः भारत में खेल सुविधाओं में भी किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। बर्मिंघम के खेलों में हुई पदकों की बरसात और भी अच्छी हो सकती थी, लेकिन जो कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर करने पर सरकार का ध्यान जाना चाहिए।

ताइवान पर चीन का ढोंग

अमेरिकी कांग्रेस (निम्न सदन) की अध्यक्षा नैन्सी पेलोसी की ताइवान-यात्रा पर सारी दुनिया का ध्यान केंद्रित हो गया था। न तो ताइवान कोई महाशक्ति है और न ही पेलोसी अमेरिका की राष्ट्रपति है। फिर भी उनकी यात्रा को लेकर इतना शोर-शराबा क्यों मच गया? इसीलिए कि दुनिया को यह डर लग रहा था कि ताइवान कहीं दूसरा यूक्रेन न बन जाए। वहां तो झगड़ा रूस और यूक्रेन के बीच हुआ है लेकिन यहाँ तो एक तरफ चीन है और दूसरी तरफ अमेरिका!

यदि ताइवान को लेकर ये दोनों महाशक्तियाँ भिड़ जातीं तो तीसरे विश्व-युद्ध का खतरा पैदा हो सकता था लेकिन संतोष का विषय है कि पेलोसी ने शांतिपूर्वक अपनी ताइवान-यात्रा संपन्न कर ली है। चीन मानता है कि ताइवान कोई अलग राष्ट्र नहीं है बल्कि वह चीन का अभिन्न अंग है। यदि अमेरिका चीन की अनुमति के बिना ताइवान में अपने किसी बड़े नेता को भेजता है तो यह चीनी संप्रभुता का उल्लंघन है। अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी की हैसियत राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के बाद तीसरे स्थान पर मानी जाती है। यों तो कई अमेरिकी सीनेटर और कांग्रेसमेन ताइवान जाते रहे हैं लेकिन पेलोसी के वहां जाने का अर्थ कुछ दूसरा ही है। चीन मानता है कि यह चीन को अमेरिकी की खुली चुनौती है। चीनियों ने दो-टूक शब्दों में धमकी दी थी कि यदि नैन्सी की ताइवान यात्रा हुई तो चीन उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई किए बिना नहीं रहेगा। चीन ने ताइवान के चारों तरफ कई लड़ाकू जहाज और जलपोत डटा दिए थे और अमेरिका ने भी अपने हमलावर जहाज, प्रक्षेपास्त्र और जलपोत आदि भी तैनात कर दिए थे।

डर यह लग रहा था कि यदि गल्ती से एक भी हथियार का इस्तेमाल किसी तरफ से हो गया तो भयंकर विनाश-लीला छिड़ सकती है। चीन इस यात्रा के कारण इतना क्रोधित हो गया था कि उसने ताइवान जानेवाली हर चीज़ पर प्रतिबंध लगा दिया था। ताइवान भी इतना डर गया था कि उसने अपने सवा दो करोड़ लोगों को बमबारी से बचाने के लिए सुरक्षा का इंतजाम कर लिया था। पेलोसी 24 घंटे ताइवान में बिताकर अब दक्षिण कोरिया रवाना हो गई हैं। वे ताइवानी नेताओं से खुलकर मिली हैं और अमेरिका चीन के खिलाफ बराबर खम ठोक रहा है। जो बाइडन की सरकार के लिए पेलोसी की ताइवान-यात्रा और अल-क़ायदा के सरगना अल-जवाहिरी का उन्मूलन विशेष उपलब्धि बन गई है। चीन ने जवाहिरी की हत्या पर भी अमेरिका की आलोचना की है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते हुए तनाव के कारण चीन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बने चार देशों के चौगुटे की भी खुलकर निंदा की थी। पेलोसी की इस ताइवान-यात्रा ने सिद्ध कर दिया है कि चीन कोरी गीदड़ भभकियाँ देने का उस्ताद है। इस मामले के कारण चीन का बड़बोलापन बदनाम हुए बिना नहीं रहेगा। पेलोसी की इस यात्रा ने अमेरिका की छवि चमका दी है और चीन की छवि को धूमिल कर दिया है।

वेद प्रताप वैदिक

> **यह भूमि किसानों को लौटा दी गई है। बस्तर संभाग के जिलों में नारंगी वन क्षेत्र में से 30 हजार 429 हेक्टेयर भूमि राजस्व मद में वापस दर्ज की गई है। इससे बस्तर अंचल में कृषि, उद्योग, अधोसंरचना के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध हो सकेगी। आजादी के बाद पहली बार अबूझमाड़ क्षेत्र के 2500 किसानों को मसाहती पट्टा प्रदान किया गया है। अबूझमाड़ के 18 गांवों का सर्वे पूरा कर लिया गया है, दो गांवों का सर्वे जारी है।**

विश्व आदिवासी दिवसः आदिवासी अंचल के जनजीवन में बदलाव की बयार

ललित चतुर्वेदी, उप संचालक

छत्तीसगढ़ और आदिवासी एक-दूसरे के पर्याय हैं। छत्तीसगढ़ के वन और यहां सदियों से निवासरत आदिवासी राज्य की पहचान रहे हैं। प्रदेश के लगभग आधे भू-भाग में जंगल है, जहां छत्तीसगढ़ की गौरवशाली आदिम संस्कृति फूलती-फलती रही है। आज से साढ़े तीन साल पहले नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आदिवासियों को उनके सभी अधिकार पहुंचाने की जो पहल शुरू की जिससे आज वनों के साथ आदिवासियों का रिश्ता एक बार फिर से मजबूत हुआ है और उनके जीवन में नई सुबह आई है। राज्य में 42 अधिसूचित जनजातियों और उनके उप समूहों का वास है। प्रदेश की सबसे अधिक जनसंख्या वाली जनजाति गोंड़ है जो सम्पूर्ण प्रदेश में फैली है। राज्य के उत्तरी अंचल में जहां उरांव, कंवर, पंडो जनजातियों का निवास हैं वहीं दक्षिण बस्तर अंचल में माडिया, मुरिया, धुरवा, हल्बा, अबुझमाडिया, दोरला जैसी जनजातियों की बहुलता है।

छत्तीसगढ़ में निवासरत जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत रही है, जो उनके दैनिक जीवन तीज-त्यौहार एवं धार्मिक रीति-रिवाज एवं परंपराओं के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। बस्तर के जनजातियों की घोटुल प्रथा प्रसिद्ध है। जनजातियों के प्रमुख नृत्य गौर, कर्मा, काकसार, शैला, सरहुल और परब जन-जन में लोकप्रिय हैं। जनजातियों के पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य, वाद्य यंत्र, कला एवं संस्कृति को बीते साढ़े तीन सालों में सहेजने-संवारने के साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने विश्व पटल पर लाने का सराहनीय प्रयास किया है। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का भव्य आयोजन इसी प्रयास की एक कड़ी है। प्रदेश सरकार द्वारा आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में संग्रहालय की स्थापना वास्तव में आदिवासियों की समृद्ध कला एवं संस्कृति और उनके जीवन से सदियों से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रयत्न है।

छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद श्री वीरनारायण सिंह की स्मृति में लगभग 25 करोड़ 66 लाख रूपए की लागत से 10 एकड़ भूमि में स्मारक-सह-संग्राहलय का निर्माण नवा रायपुर अटल नगर में पुरखौती मुक्तांगन में किया जा रहा है। इसमें प्रदेश के जनजातीय वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का जीवंत परिचय प्रदेश और देश के शोध छात्र और आम जनों को हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य के 28 जिलों में से 14 जिले संविधान की 5वीं अनुसूची में पूर्ण रूप से और छह जिले आंशिक रूप से शामिल हैं। राज्य के आदिवासी समुदाय का लिंगानुपात सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन् देश के लिए अनुकरणीय है। इस समुदाय में एक हजार पुरूष पर 1013 महिलाओं की स्थिति लिंगानुपात को लेकर सुखद एहसास है। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी क्षेत्रों और वहां के जनजीवन को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए प्रयासरत है। यही वजह है कि आदिवासियों का भरोसा व्यवस्था में कायम हुआ है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कहना है लोहण्डीगुड़ा में किसानों की जमीन की वापसी, तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 2500 रूपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा करके, 65 प्रकार के लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी एवं वेल्यू एडीशन करके हमने न सिर्फवनवासियों की आय में बढ़ोत्तरी की है, बल्कि रोजगार के अवसरों का भी निर्माण किया है। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समुदाय के जुड़े हर मसले को पूरी संदेवनशीलता और तत्परता से निराकृत करने के साथ ही उनकी बेहतरी के लिए कदम उठा रही है। वनवासियों को वन भूमि का अधिकार पट्टा देने के मामले में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। अब तक राज्य में 4 लाख 54 हजार से अधिक व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र, 45,847 सामुदायिक वन तथा 3731 ग्रामसभाओं को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित कर 38 लाख 85 हजार हेक्टेयर से अधिक की भूमि आवंटित की गई है, जो 5 लाख से अधिक वनवासियों के जीवन-यापन का आधार बनी है।

वन अधिकार पट्टाधारी वनवासियों के जीवन को आसान बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उनके पट्टे की भूमि का समतलीकरण, मेड़बंधान, सिंचाई की सुविधा के साथ-साथ खाद-बीज एवं कृषि उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वन भूमि पर खेती करने वाले वनवासियों को आम किसानों की तरह शासन की योजनाओं का लाभ मिलने लगा है। वनांचल में कोदो-कुटकी, रागी की बहुलता से खेती करने वाले आदिवासियों को उत्पादन के लिए प्रति एकड़ 9 हजार रूपए की इनपुट सब्सिडी देने का प्रावधान राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किया गया है। राज्य में पहली बार कोदो-कुटकी की तीन हजार तथा रागी की 3377 रूपए प्रति क्विंटल की दर से कुल 16 करोड़ 58 लाख रूपए की खरीदी की गई। कोदो-कुटकी, रागी जैसी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने और वैल्यु एडिशन के माध्यम से किसानों की आय में बढ़ोत्तरी के लिए मिशन मिलेट शुरू किया गया है। वनोपज का आदिवासियों के जीवन से बड़ा ही गहरा ताल्लुक रहा है। बिचौलियों से सरकार ने अब वनवासियों को मुक्ति दिला दी है।

बस्तर अंचल के तेजी से विकास के लिए नियमित हवाई सेवा शुरू की गई है। जगदलपुर एयरपोर्ट आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी गई हैं। इस एयरपोर्ट का नामकरण बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के नाम पर किया गया है। अंबिकापुर में शीघ्र हवाई सेवा शुरू करने के लिए दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट में हवाई पट्टी का विस्तार शुरू कर दिया गया है। बीजापुर से बलरामपुर तक सभी अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। इन अस्पतालों में प्रसुति सुविधा, जच्चा बच्चा देखभाल सहित पैथालाजी लेब और दंतचिकित्सा सहित विभिन्न रोगों के उपचार और परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध करायी गई है। हाट-बाजारों में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना में मेडिकल एम्बुलेंस के जरिए दुर्गम गांवों तक निःशुल्क जांच और उपचार की सुविधा के साथ दवाईयों का वितरण किया जा रहा है। मलेरिया के प्रकोप से बचाने के लिए बस्तर संभाग में विशेष अभियान चलाया गया, जिससे बस्तर अंचल में अब मलेरिया का प्रकोप थम सा गया है।

सुकमा जिले के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जगरगुण्डा सहित 14 गांवों की एक पूरी पीढ़ी 13 वर्षों से शिक्षा से वंचित थी अब यहां स्कूल भवनों की मरम्मत कर दी गई है। बीजापुर और बस्तर संभाग के जिलों में भी सैकड़ों बंद स्कूलों को फिर से प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 9 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां से शिक्षा प्राप्त 97 विद्यार्थी आईआईटी, 261 विद्यार्थी एनआईटी एवं ट्रिपल आईटी, 44 विद्यार्थी एमबीबीएस तथा 833 विद्यार्थी इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन प्राप्त कर तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। राज्य में 73 एकलव्य आवासीय विद्यालय संचालित हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 में एकलव्य विद्यालयों में 18 हजार 984 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

बस्तर अंचल के लोहांडीगुड़ा के 1707 किसानों की 4200 हेक्टेयर जमीन जो एक निजी इस्पात संयंत्र के लिए अधिगृहित की गई थी। यह भूमि किसानों को लौटा दी गई है। बस्तर संभाग के जिलों में नारंगी वन क्षेत्र में से 30 हजार 429 हेक्टेयर भूमि राजस्व मद में वापस दर्ज की गई है। इससे बस्तर अंचल में कृषि, उद्योग, अधोसंरचना के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध हो सकेगी। आजादी के बाद पहली बार अबूझमाड़ क्षेत्र के 2500 किसानों को मसाहती पट्टा प्रदान किया गया है। अबूझमाड़ के 18 गांवों का सर्वे पूरा कर लिया गया है, दो गांवों का सर्वे जारी है।

चीन-अमेरिका की तनातनी में क्या होनी चाहिए रणनीति

जोरावर दौलत सिंह, चीन मामलों के विशेषज्ञ

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइपे यात्रा के बाद चीन की चेतावनियों और मिसाइल अभ्यासों की बाढ़ ने एशियाई भू-राजनीति के नए अध्याय की भूमिका तैयार कर दी है। हालांकि, यह स्थिति 1950 और 1990 के दशक जैसी खतरनाक नहीं जान पड़ती, लेकिन ताइवान-जलडमरूमध्य संकट का परिणाम गंभीर हो सकता है। बीजिंग ने चेतावनी दी है कि वह न सिर्फ अमेरिकी नौसेना की कमर तोड़ सकता है, बल्कि ताइवान की नाकेबंदी भी कर सकता है। यह उसकी उस योजना का हिस्सा है, जिसका मूल मकसद है, ताइवान की स्वतंत्रता को रोकना और यथास्थिति को नया रूप देने के लिए अधिकार हासिल करना। ताइवान की मौजूदा स्थिति में कोई भी प्रतिकूल बदलाव चीन की राष्ट्रीय पहचान को तार-तार कर देगा। जबकि, अमेरिका के लिए, ताइवान का नुकसान इस क्षेत्र में उसके सैन्य लाभ को स्थायी रूप से खत्म कर देगा। जाहिर है, ताइवान दोनों पक्षों के लिए काफी अहम है।

सवाल यह है कि भारत के लिए यह कितना महत्व रखता है? पिछले एक दशक से हमारे रणनीतिकार चीन के संदर्भ में भारत की भू-रणनीति को लेकर उलझन में हैं। क्षेत्रवाद के हिमायतियों की दलील है कि लंबे समय से विवादित सीमा पर बढ़ती सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर हमें ऐसी विदेश नीति चाहिए, जो हमारे भू-राजनीतिक हितों को साध सके। दूसरी तरफ समुद्री सुरक्षा को तवज्जो देने वाले इससे असहमत हैं, और कहते हैं कि भारत की सुरक्षा नीतियां समुद्र के रास्ते संचालित होती हैं। वे भारत से समुद्र में एक बड़ी भूमिका अपनाने व पश्चिमी प्रशांत सहित अन्य क्षेत्रों में संरक्षक बनने का आग्रह करते हैं। 'क्वाड' इसी विश्वास की अभिव्यक्ति है कि पूर्वी एशिया और दक्षिण एशिया एक ही इकाई है, जो इस विशाल हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र की निगरानी के लिए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत को प्रेरित करते हैं।

जब नीतियों को जमीन पर उतारा जाता है, तब अमूमन उसके नतीजों की जानकारी साझा नहीं की जाती। क्षेत्रवाद के हिमायती चकित हैं कि हमारे जहाज भारतीय तटों से 4,000 किलोमीटर दूर एक मजबूत पीएलए (चीन की सेना) के खिलाफ फायरिंग लाइन में होंगे। देखा जाए, इस तरह के खतरे की आशंका को देखते हुए सरकार ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और जापान के साथ किसी भी तरह के सैन्य अभ्यास को अस्वीकार कर दिया है। वास्तव में, वाशिंगटन द्वारा नई दिल्ली को और अधिक ठोस सुरक्षा पहल अपनाने के लिए राजी करने के प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकल सका है।

भारत और अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से हिंद-प्रशांत की सुरक्षा सुनिश्चित करने की काल्पनिक छवि अब भी कई रणनीतिकारों के दिमाग में मौजूद है। पंडित नेहरू ने कभी कहा था, जमीन पर सुरक्षित रहने के लिए हमें समुद्र में भी अपनी सर्वोच्चता हासिल करनी चाहिए। पर नेहरू की तरह तत्कालीन रणनीतिकारों ने भी इस ब्रिटिश कहावत की भारत के भू-राजनीतिक संदर्भ की गलत व्याख्या की। ब्रिटेन और अमेरिका अपनी जमीनी सीमाओं की चिंता किए बिना समुद्री आकांक्षा को पूरा कर सकते थे, जबकि भारत के लिए ऐसा संभव न था। ऐसे में, जून, 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शांगरी-ला (सिंगापुर) वार्ता में जो कुछ कहा, वह आज भी प्रासंगिक है। उस भाषण का मूल तत्व यही था कि ऐसे समय में, जब वर्चस्व में बदलाव, भू-राजनीतिक विचारों व राजनीतिक मॉडलों को लेकर दुनिया में होड़ लगी है, तब भारत पूरे एशिया में एक स्वतंत्र ताकत के रूप में खुद को पेश करेगा। कुछ के लिए यह गुटनिरपेक्षता पर नए सिरे से जोर देना था। प्रधानमंत्री ने खुद 'रणनीतिक स्वायत्तता' शब्द का इस्तेमाल किया था।

चीन का उदय एक सच्चाई है, इसलिए यह हमें तय करना है कि हम उसको कैसे समझते हैं और उसका जवाब देते हैं? भले ही चीन और अमेरिका में अभी कोई घातक टकराव न हो, पर दोनों देशों के बीच जैसे तनाव हैं, उसको देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि क्षेत्र में फिलहाल स्थिरता आएगी। लिहाजा, 2020 का दशक भारत को अपनी आर्थिक व सैन्य ताकत को नई ऊंचाई देने और उप-महाद्वीप में स्थिरता की अगुवाई करने का मौका है, क्योंकि बड़ी ताकतें आपस में उलझी हुई हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

क्यों तड़प-तड़प कर
उदासियों में जिंदगी
बिताते हो, थोड़े
रास्ते बदलो थोड़ी
सोच बदलो दोस्तों-
यारों से मिलो।

-अंजली जैन
7024460938

अमृत वर्ष में संसद का हाल

अजीत द्विवेदी

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और इस बात की पूरी कोशिश हो रही है कि अमृत वर्ष में संसद का कम से कम एक सत्र नए भवन में आयोजित हो। इसके लिए नए भवन के निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ करके एक विशाल अशोक स्तंभ नए भवन के शीर्ष पर प्रतिष्ठित कर दिया गया है। संभव है कि संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में हो। कोरोना महामारी के दौरान नए संसद भवन की जरूरत और उसके निर्माण पर होने वाले खर्च को लेकर कई अहम सवाल उठे थे। सवाल जायज थे फिर भी इस तर्क से इसे न्यायसंगत माना जा सकता है कि सरकार ने अंग्रेजों के बनाए संसद भवन से निकल कर आजाद भारत में बने संसद भवन में अमृत वर्ष मनाने की सोच में इसका निर्माण कराया है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि यह आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत का प्रतीक होगा। फिर भी सवाल है कि क्या अंग्रेजों की बनाई संसद की इमारत से निकलने के साथ साथ भारत ब्रिटिश मॉडल से ली गई संसदीय राजनीति की आत्मा को भी छोड़ देगा?

भारत में संसदीय प्रणाली ब्रिटेन के वेस्टमिनिस्टर मॉडल पर अपनाई गई, जिसमें राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा मिल कर संसद का निर्माण करते हैं। संविधान में शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत अपनाया गया, जिसमें विधायिका यानी संसद और विधानसभाओं को कानून बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही संविधान के जरिए कानून निर्माण की एक प्रक्रिया तय की गई, जिन्हें कायदे से संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक परंपराओं के जरिए समय के साथ मजबूत होना चाहिए था। परंतु अफसोस की बात है कि भारत में समय के साथ कानून निर्माण की प्रक्रिया बेहतर होने की बजाय बदतर होती गई। विधायिका के ऊपर कार्यपालिका हावी हो गई और संसद का काम सरकार की ओर से बनाए गए कानूनों को मंजूरी देने भर का रह गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि संसद अपनी तरफ से किसी कानून की न तो जरूरत बता सकती है और न कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। सत्र के दौरान हफ्ते में एक दिन प्राइवेट मेंबर बिल लाने का होता है। हर हफ्ते शुक्रवार को कोई भी सांसद देश और समाज की जरूरत को समझते हुए कोई बिल पेश कर सकता है। यह भी दुर्भाग्य है कि बिल चाहे कितना भी अच्छा और जरूरी हो, आज तक भारतीय संसद ने संभवतः किसी प्राइवेट मेंबर बिल को मंजूरी नहीं दी है।

बहरहाल, आजादी के अमृत वर्ष में नए संसद भवन में संसदीय कार्यवाही शुरू होने से पहले आखिरी सत्र पुरानी संसद में चल रहा है। यह पुराने संसद भवन में विदाई सत्र है। इसके बाद कोई बैठक इस ऐतिहासिक संसद भवन में नहीं होगी। वैसे तो भारत में पहला संसदीय चुनाव 1952 में हुआ था लेकिन उससे पहले संविधान सभा की बैठकें इसी संसद भवन में हुई थीं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने कैंप क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए निर्देश

समझाइश देने के बाद भी सड़क बाधा करते हुए बिखेरा मलबा तो होगी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर निरंतर भिलाई निगम क्षेत्र के किसी भी वार्ड एवं मोहल्लों का निरीक्षण औचक रूप से कर रहे हैं। महापौर नीरज पाल ने स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई की परिकल्पना को लेकर अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 एवं वार्ड क्रमांक 35 तथा वार्ड क्रमांक 36 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने कुछ स्थानों पर सड़कों पर निर्माण एवं विध्वंस से संबंधित सामग्री बेतरतीब तरीके से पड़ी हुई देखी। उन्होंने कहा कि पहले मलबा को हटाने समझाइश दे और उन्हें हटाने के लिए निर्धारित समय देवें। इसके बाद भी नहीं मानने वाले लोगों पर कार्रवाई करें। उल्लेखनीय है कि सड़कों पर मलबा पड़े होने के कारण आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इधर दुर्घटना की संभावनाएं भी बढ़ जाती है तथा वाहनों का निकलना मुश्किल होता है। सकरी गलियों में खासकर इस प्रकार की समस्याएं मुखरता से आती है। वहीं शहर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है तथा ऐसे मलबों में हानिकारक जीव जंतु भी छुपे हुए हो सकते हैं जो नुकसान पहुंचा सकते हैं तथा गंदगी का एक बड़ा सोर्स भी यह बन सकता है और मच्छर आदि को छुपने की जगह भी इन्हीं कारणों से मिलती है। घर के निर्मित होने के बाद भी कई लोगों के द्वारा इस प्रकार के बिल्डिंग मटेरियल को सड़क पर काफी दिनों तक रखा जाता है वही क्षतिग्रस्त एवं पुराने घरों को तोड़ने के बाद भी मलबों को ऐसे ही सड़कों पर डाल दिया जाता है। इन सभी कारणों से राहगीरों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ती है, सकरी एवं घनी बस्तियों में वाहनों का आवागमन मुश्किल हो जाता है, इन मलबा की वजह से नाली भी जाम हो जाती है और सफाई में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन सब वजह से निगमायुक्त ने मलबे को हटाने के सख्त निर्देश दिए हैं। आज निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 37 शीतला मंदिर चौक पर रखें खराब वाहन को हटवाने के निर्देश भी आयुक्त ने दिए तथा वार्ड क्रमांक 35 के मराठी मोहल्ला में जर्जर सुलभ शौचालय के संधारण करने के निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 36 ठेठवार पारा तालाब के किनारे खटाल संचालकों को अपने घर के सामने सफाई रखने तथा मवेशियों को खुला नहीं छोड़ने एवं आवागमन प्रभावित नहीं करने की समझाइश दी।

वही उन्हें एक फल दुकान वाले दुकानदार को प्लास्टिक कैरी बैग में समान देते हुए देखा, उन्होंने दुकानदार को प्रतिबंधित प्लास्टिक में समान नहीं देने की समझाइश दी, वही निगम के अधिकारियों ने पॉलिथीन की जब्ती बनाई। बीती रात्रि को भारी बारिश होने के कारण कुछ मोड़ वाले नालों में कचरा रुक रहा था जिसे उन्होंने सफाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप अभियंता कृष्णा जंघेल, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सुदामा परघनिया, स्वच्छता निरीक्षक वीरेंद्र बंजारे, सुपरवाइजर श्याम ठाकुर आदि मौजूद रहे।

बीमारियों की रोकथाम के लिए हुई स्वास्थ्य विभाग के सलाहकार समिति की बैठक

आवश्यक संसाधनों को बढ़ाने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वास्थ्य विभाग के सलाहकार समिति की बैठक नगर पालिक निगम भिलाई में हुई जिसमें सलाहकार समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू विशेष रूप से मौजूद रहे। महापौर परिषद के सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने डेंगू, मलेरिया, पीलिया एवं जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष उपाय अपनाने अधिकारियों को कहा।

स्वास्थ्य प्रभारी ने कहा कि बारिश के इस मौसम में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर कार्य करने की आवश्यकता है, किसी भी परिस्थिति में ऐसी बीमारियों की जानकारी मिलने पर सतर्कता रखनी जरूरी है और त्वरित रूप से इसकी रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय अपनाए जाएं, ताकि बीमारियां आगे न बढ़ पाए।

स्वास्थ्य प्रभारी ने कहा कि इसके लिए आवश्यक संसाधनों को बढ़ाने पर भी जोर दिया जाए इसके लिए उन्होंने टाउनशिप क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों को बढ़ाने पर सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि कचरा प्रतिदिन घरों से निकल रहा है और इसकी सफाई भी उतनी ही आवश्यक है। प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का अमला हालांकि मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है, सुपरवाइजर के उचित मॉनिटरिंग से सफाई कार्य में और तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने स्वच्छ भिलाई एवं सुंदर भिलाई की परिकल्पना के तहत अधिकारियों को शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्य में अधिकारी भी सुबह फील्ड का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का लगातार जायजा ले रहे हैं। सलाहकार समिति की बैठक में स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा एवं सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

खास खबर

भिलाई निगम क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस एवं कृष्ण जन्माष्टमी के दिन बंद रहेंगी मांस विक्रय की दुकानें

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 15 अगस्त 2022 स्वतंत्रता दिवस के दिन तथा 19 अगस्त 2022 कृष्ण जन्माष्टमी के दिन भिलाई निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त मांस विक्रय केंद्र इस तिथि को बंद रहेंगे। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने इसको लेकर सख्त निर्देश दिए है, निगम के स्वास्थ्य विभाग को इस बाबत निर्देशित भी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसका आदेश प्रसारित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग ने पत्र जारी कर इन तारीखों को पशु वह गृह बंद रखे जाने के निर्देश दिए है। इस तिथि में भिलाइ के पशु वध गृह, जीव हत्या एवं समस्त मास बिक्री केंद्र को बंद रखा जाएगा।

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह सोमवार को आयोजित जनचौपाल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 57 लोगों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर प्रभात मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने मौंके पर ही आवेदकों की समस्या संबंधी आवेदन को संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम से निराकृत किया। साथ ही अन्य आवेदकों को उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। जनचौपाल में ग्राम रजनकट्टा के कृष्ण दीवान ने मत्स्य विभाग से अनुदान राशि दिलाने, ग्राम फुलझर के यशकुमार एवं रोहित यादव ने माईनगर क्र.-01 में काटा नाली निर्माण करने, टी.आर. देवांगन सहित जिला अधिकारी मौजूद थे।

रिसाली निगम के 8 एल्डरमेनों ने लिया शपथ अधिकार को नहीं कर्तव्य को समझे - ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के 8 एल्डरमेनों को कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक व लोकनिर्माण व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। शपथ ग्रहण अवसर पर गृहमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता नियुक्ति को लेकर निराश न हो। वे अधिकार को नहीं कर्तव्य को समझे। शपथ ग्रहण समारोह नया कार्यालय भवन प्रांगण में हुआ।

उन्होंने कहा कि कर्तव्य को समझने से हम आगे बढ़ेंगे। समय और परिस्थिति से सरकार नियुक्ति आदेश निकालती है। अगर कार्यकर्ता को आज अवसर नहीं मिला तो आने वाले समय में सेवा का अवसर मिलेगा। उन्होंने नए निगम की बात कहते हुए कहा कि सब मिल जुलकर रिसाली का विकास करे।

कार्यक्रम की शुरूआत राजगीत से हुआ। कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने चार-चार के ग्रुप में एल्डरमेनों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र साहू, सभापति केशव बंछोर, जिला पंचायत सभापति योगिता चंद्राकर, आयुक्त आशीष देवांगन, महापौर परिषद के सद्स्य अनूप डे, सनीर साहू, गोविन्द चतुर्वेदी, परमेश्वर, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, विलास राव बोरकर, पार्षदगण आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने इन्हे दिलाई शपथ

संगीता सिंह, तरूण कुमार, मोहम्मद निजाम, संध्या वर्मा, संतू दास, शिशिर कुमार, अजीत कुमार यादव, व जी. राहुल कुमार को कलेक्टर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

घर-घर झंडा अभियान

कार्यक्रम समापन के पहले कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को राष्ट्रीय ध्वज भेट किया। उन्होंने मंच से आग्रह किया राष्ट्रव्यापी अभियान में सभी शामिल होकर राष्ट्रप्रेम का परिचय दे। अपने-अपने निवास में अवश्य ध्वज रोहण करे। इस अवसर पर रिसाली निगम ने सभी अतिथियों को राष्ट्रध्वज उपलब्ध कराया।

महापौर ने एल्डरमेनों का किया स्वागत

शपथ ग्रहण पश्चात महापौर शशि सिन्हा व सभापति केशव बंछोर ने मंच पर बैठे एल्डरमेनों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सभी एल्डरमेनों ने रिसाली निगम के विकास के लिए एकजूट होकर कार्य करने का संकल्प भी लिया।

आयुक्त सर्वे ने निगम कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

आयुक्त ने विभागों में किया दस्तवेजों का अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम कार्यालय में सोमवार को आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निरीक्षण किया। कार्यालय के कामकाज को देखा। निगम की योजनाओं से संबंधित फाइलों को खंगाला। आयुक्त के कार्यालय में पौने घटे तक फाइलों के जांच के साथ संबंधित अधिकारी व कर्मचारी को आवश्यक निर्देश दिया। आयुक्त ने निगम के सभी विभागों का निरीक्षण किया।

आयुक्त के आने की सूचना मिलते ही कर्मी अपडेट थे। कार्यालय में सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने-अपने कक्ष में तैनात दिखे।आयुक्त ने मुख्य कार्यालय के समस्त विभागों का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों एवं अधिकारियों को दिए गए दायित्व के निर्वहन की जानकारी ली। उन्होंने स्टेनो टू आयुक्त कक्ष, संपत्तिकर एवं संपदा विभाग, रिकॉर्ड रूम, भवन अनुज्ञा विभाग, लोक सेवा केंद्र के काउंटर, राजस्व विभाग,बाजार विभाग, सचिवालय, स्वास्थ्य विभाग, जन सूचना विभाग, योजना विभाग, लेखा विभाग, स्थापना शाखा, अधीक्षण अभियंता कक्ष एवं पेंशन शाखा,जन्ममृत्यु प्रमाण पत्र विभाग,जनसंपर्क विभाग इत्यादि महत्वपूर्ण विभागों का निरीक्षण किया।

उन्होंने इस दौरान पेंशन से संबंधित पेंडिंग एवं राशन कार्ड कार्यों की जानकारी ली, कमजोर वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित दावा-आपत्ति के बारे में पूछा, स्वास्थ्य अधिकारी से उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारी / कर्मचारियों से इस दौरान कार्यालयीन समय पर उपस्थित रहकर कर्तव्य निष्ठा से कार्य संपादन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त मोहेंद्र साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्टोनो मनोहर साहू,शिवशर्मा, बाजार अधिकारी थानसिंग यादव,योगेश सूरे,शुभम गोइरसहित आदि मौजूद रहे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 को

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश विनय कुमार कश्यप ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 13 अगस्त 2022 को पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। न्यायालयों में बड़ी संख्या में लंबित प्रकरणों में कमी लाने के उद्देश्य तथा प्रभावित पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की दिशा में नेशनल लोक अदालत एक प्रभावशाली कदम है। जिला न्यायालय राजनांदगांव अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा नेशनल लोक अदालत के लिए जिला न्यायालय राजनांदगांव, व्यवहार न्यायालय खैरागढ़, डोंगरगढ़, अंबागढ़ चौकी, छुईखदान एवं राजस्व न्यायालयों के विभिन्न प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवाशीष ठाकुर ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकरणों व प्री-लीटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, धारा-138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, सिविल प्रकरण, निष्पादन प्रकरण, विद्युत संबंधी मामलों व पारिवारिक विवाद के मामलों का निराकरण किया जाएगा।

महापौर नीरज पाल ने मेडिकल यूनिट शिविर के बेहतर क्रियान्वयन के दिए निर्देश

भिलाई में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के स्वास्थ्य शिविर में अब तक 119882 लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लिया लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मोबाइल मेडिकल के स्वास्थ्य शिविर में अब तक 119882 लोगों ने शिविर का लाभ लिया है, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत इसका बेहतर क्रियान्वयन नगर पालिक निगम भिलाई में किया जा रहा है। महापौर नीरज पाल की मंशा है कि श्रमिकों को उनकी ही बस्ती में उनके द्वार के नजदीक सारी चिकित्सकीय सुविधाएं मिले। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की है। महापौर नीरज पाल के मंशानुरूप आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने जोन के विभिन्न वार्डों के लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने वार्डों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर लगवा रहे हैं। निगम का स्वास्थ्य विभाग मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल युनिट श्रमिक

बस्तियों में जाकर अपनी चिकित्सकीय सेवा लगातार दे रही है। इसमें सभी वर्ग व उम्र के लोग अपनी बस्ती में अपने घर के समीप लगे कैंप में आकर नि:शुल्क जांच कराकर दवाइयां ले रहे हैं। इस योजना का अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है। 2 नवंबर से आज 8 अगस्त तक 1543 कैम्प लगाए गए। जिसमे 119882 मरीजों ने उपचार कराए। 22605 मरीजों ने लैब में टेस्ट करवाए व 107617 मरीजों को दवा का नि:शुल्क वितरण किया गया। वहीं 4321 मरीजों का श्रम विभाग में पंजीयन किया गया व इस विभाग में मरीजों के पंजीयन प्रकरण के लिए 2608 आवेदन प्राप्त हुए। दाई-दीदी क्लीनिक के 499 शिविर में 37389 मरीजों ने उपचार कराया। लैब टेस्ट 6381 लोगों ने कराया। इसके तहत 34396 लोगों को नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। कुल मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की बात करें तो 119882 लोगों ने अब तक इलाज कराया है।

जांच की सुविधा फ्री में और दवाइयां भी मुफ्त मोबाइल मेडिकल यूनिट के स्वास्थ्य शिविर की बात करें तो नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत दो मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं 1 दाई-दीदी क्लीनिक संचालित है। तीनों मेडिकल यूनिट के माध्यम से शिविर का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। आने वाले मरीजों का परीक्षण मुफ्त में किया जाता है वही जहां दवाइयों की आवश्यकता होती है मरीजों को फ्री में दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

जल जीवन मिशनः राज्य में 13 लाख से अधिक घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। अब तक राज्य में 13 लाख 25 हजार 880 घरेलू नल कनेक्शन लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देशन में राज्य के ग्रामीण अंचलों में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन संचालक टोपेश्वर वर्मा द्वारा समय-समय पर नल-जल योजनांतर्गत सोलर आधारित, रेट्रोफिटिंग, मल्टी विलेज और सिंगल विलेज योजनाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी जारी है। उन्होंने स्कूल, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर की व्यवस्था, आईएसए ट्रेनिंग, जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रचार-प्रसार हेतु दीवार लेखन, चित्रकारी इत्यादि कार्य समयबद्ध रूप से कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गए हैं। इसके साथ ही साथ सभी प्रगतिरत कार्य की आईएमआईएस पोर्टल में इन्द्राज करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में जल जीवन मिशन में एक हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। अब तक राज्य के 43 हजार 837 स्कूलों में, 41 हजार 646 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 248 ग्राम पंचायतों और सामुदायिक उप स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी की भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार जारी

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी की भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार जारी है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी भर्ती परीक्षा के लिये न्यूनतम योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग/जी.एन.एम. डिग्री/डिप्लोमा रखी गई थी। इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर ही उम्मीदवारों की चयन सूची तैयार कर भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन उपलब्ध कराने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 800 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के पदों पर भर्ती की जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने बताया कि मिशन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के कुल 800 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसके लिये 17 हजार 784 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन आवेदनों के परीक्षण के बाद पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी की गई थी। अभ्यर्थियों से इस सूची पर दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई थी, जिस पर ई-मेल के माध्यम से 620 आवेदकों द्वारा दावा-आपत्ति प्रस्तुत की गई थी। विज्ञापन में इस बात का स्पष्ट रूप से जिक्र था कि कुल पदों के विरूद्ध एक तिहाई परीक्षार्थियों को ही लिखित परीक्षा हेतु मेरिट के आधार पर आमंत्रित किया जायेगा। मिशन द्वारा दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद विज्ञापन के नियमानुसार कुल पदों के विरूद्ध एक तिहाई अभ्यर्थियों को वर्गवार पात्रता अनुसार प्रवेश परीक्षा के लिए बुलाया गया। आज विभिन्न संस्थाओं से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यालय आए जनप्रतिनिधियों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के पद में हो रही भर्ती प्रक्रिया एवं उसके नियमों एवं वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा पूरी भर्ती प्रक्रिया विज्ञापन में प्रकाशित नियमानुसार एवं पारदर्शी रूप से की जा रही है।

अनुशासन एवं राष्ट्र प्रेम की भावना बढ़ाता है स्काउट गाइडः डॉ प्रेमसाय सिंह

भारत स्काउट एंड गाइड के राज्य परिषद की बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत स्काउट गाइड की राज्य स्तरीय बैठक सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित हुई। जिसमें स्काउट गाइड के गतिविधियों एवं उसके दायित्व से कैडेटों को अवगत कराया गया। अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स परिषद एवं मंत्री स्कूल शिक्षा राज्य प्रशासन डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड बच्चों में राष्ट्र प्रेम के साथ अनुशासन की सीख देता है। शिक्षा के साथ-साथ ऐसी गतिविधि निश्चय ही छात्रों को आगे बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों से स्काउट गाइड का समन्वय स्थापित कर इसके कार्य योजना को मजबूती दी जाएगी। श्री टेकाम ने कहा कि प्रत्येक स्कूल में स्काउट गाइड की गतिविधि से बच्चों को जोड़ना है। जिससे समाज में स्काउट गाइड के माध्यम से समाज सेवा अनुशासन एवं राष्ट्र प्रेम की भावना को विकसित किया जा सके। छत्तीसगढ़ राज्य की स्काउटिंग का हमारे देश में अहम योगदान है कोरोना काल में भी यहां के स्काउटर सेवा कार्य जैसे भोजन वितरण, सूखा राशन वितरण, घर-घर दवा पहुंचाने तथा आम लोगों में जागरूकता फैलाने का काम कर रहे थे। राज्य में प्रतिवर्ष विभिन्न कार्यक्रम होते हैं। शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग से लगभग 2 हजार बच्चे प्रति वर्ष नि:शुल्क पंचमढ़ी, कुल्लू मनाली, दार्जिलिंग में जाकर डिजास्टर मैनेजमेंट एवं एडवेंचर्स का कोर्स कर रहे हैं। राज्य स्तर में ट्रेकिंग, कब बुलबुल उत्सव, रैली जैसे कार्यक्रम भी अनवरत जारी है। मंत्री जी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें स्काउट गाइड, रोवर-रेंजर स्काउटर, गाइडर द्वारा पूर्ण स्काउट गाइड गणवेश में अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराकर 75 वीं वर्षगांठ मनाएं और अन्य लोगों को तिरंगा झंडा फहराने हेतु जागरूक करें। कार्यक्रम में सत्यनारायण शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजेश अग्रवाल कार्यकारी अध्यक्ष, कृष्णा स्वामी निदेशक राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली, कन्हैया अग्रवाल उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, चंद्र प्रकाश बाजपेई उपाध्यक्ष, अनिता रावते, शशि चंद्राकर, ममता राय, कैलाश कुमार सोनी, अंकित बागबाहरा, मुकेश चंद्राकर, सुरेश शुक्ला तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के सदस्य शामिल थे।

संस्कृत सप्ताह का आयोजन 14 अगस्त तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् में संस्कृत सप्ताह का आयोजन मां सरस्वती एवं संस्कृत विद्यामण्डलम् के प्रतीक चिन्ह भगवान शिव शंकर भोलेनाथ के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. सुखदेव राम सरस ने की। उल्लेखनीय है कि 8 अगस्त से 14 अगस्त तक आयोजित संस्कृत सप्ताह के दौरान संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

इस अवसर पर डॉ. सरस ने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषा है। जब तक संस्कृत भाषा जीवित है, तब तक हमारी संस्कृति और संस्कार जीवित रहेंगे। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत एक महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में आज भी विद्यमान है। जिसकी जनमानस में काफी महत्ता है। कार्यक्रम में सहायक संचालक सुश्री पूर्णिमा पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत हमें संस्कृति और संस्कार सिखाती है।

जैव उर्वरकों के उपयोग से और बेहतर हो रही हैं गौठानों में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट की गुणवत्ता

जैविक कल्चर से नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश और जिंक की मात्रा में हो रहा इजाफा

कृषि विश्वविद्यालय तथा बायोटेक प्रमोशन सोसायटी द्वारा गौठान समितियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जैविक कृषि को बढ़ावा देने एवं रासायनिक कृषि को हतोत्साहित करने के लिए संचालित गोधन न्याय योजना के अन्तर्गत पूरे प्रदेश में गौठानों की स्थापना की जा रही है। इन गौठानों में गाय के गोबर से वर्मीकम्पोस्ट एवं सुपरकम्पोस्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे कृषि में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो रही है, मृदा स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है तथा उर्वरता में वृद्धि हो रही है। गौठानों में निर्मित सुपरकम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट में पोषक तत्वों की मात्रा प्राकृतिक रूप से बढ़ाने हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ बायोटेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी के संयुक्त प्रयास से प्रभावी मित्र सूक्ष्म जीवों युक्त उर्वरा शक्ति नामक तरल जैविक कल्चर तैयार किया गया है, जिसका उपयोग गौठानों में निर्मित सुपरकम्पोस्ट एवं वर्मीकम्पोस्ट के गुणवत्ता उन्नयन एवं उसे समृद्ध बनाने हेतु किया जा रहा है। जैव उर्वरकों के

उपयोग का प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश के 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोग से गौठानों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें गौठान समितियों के सदस्यों के साथ-साथ महिला स्व-सहायता समूह के सदस्य भी शमिल हो रहीं हैं। इस प्रशिक्षण कार्यकम द्वारा प्रदेश के 150 गौठानों के 1500 गौठान समिति के सदस्य, एवं स्वसहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ बायोटेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी द्वारा निर्मित जैव उर्वरकों में राइजोबियम कल्चर, फास्फोरस सोल्यूब्लाईजिंग बैक्टीरिया कल्चर, एजोस्पाइरिलम, जिंक सोल्यूब्लाईजिंग बैक्टीरिया कल्चर एवं पोटेशियम सोल्यूब्लाईजिंग बैक्टीरिया कल्चर शामिल हैं। गौठानों में निर्मित खाद चूंकि प्राकृतिक पदार्थ है अत: यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से कृषि हेतु अति उत्तम जैविक खाद है। यह मिट्टी को पोषक तत्वों के साथ-साथ जैविक रूप से समृद्ध बनाने हेतु अति उपयोगी है। इन खादों में स्थानीय फसल आवश्यकताओं को देखते हुए प्रभावी लाभदायक सूक्ष्मजीवों का समावेश कर दिया जावे तो इनके गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा डी.ए.पी. एवं म्यूरेट आफॅ पोटाश की आवश्यकताओं एवं पूर्ति को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न फसलों में पी.एस.बी. एवं के.एस.बी. जैव उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। गोठानों में निर्मित जैविक खादों को उपरोक्त जैव उर्वरकों से जैव सवंर्धित किया जाय तो इनके द्वारा प्रदाय की गई पोटाश से फसलों को आवश्यक पोषक तत्वों की काफी मात्रा में पूर्ति की जा सकती है। पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित जैविक खादों के प्रयोग से फसल को लगभग 15-20 किलोग्राम/हेक्टेयर आपूर्ति की जा सकती है। इसी तरह के.एस.बी. कल्चर से उपचारित जैविक खाद के प्रयोग से 12-15 किलोग्राम पोटाश की आपूर्ति प्रति हेक्टेयर की जा सकती है। वर्तमान में प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में धान की खेती में जस्ते (जिंक) की कमी पाई गई है जिससे धान का उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित होती है। ऐसे क्षेत्र के लिए जिंक घोलक जीवाणु (जेड.एस.बी.) तरल कल्चर का उपयोग किया जा सकता है। बस्तर के काफी क्षेत्र में मक्के की खेती की जाती है जिसका उत्पादन बढ़ाने में पोटाश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हल्की मृदाओं में उगायी जाने वाली मक्का फसल हेतु पोटाश घोलक जीवाणु (के.एस.बी.) कल्चर से उपचारित जैविक खाद का प्रयोग निसंदेह मक्का की अच्छी पैदावार हेतु उपयोगी सिद्ध होगा।

कलेक्टर जनचौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं, किया यथा संभव समाधान

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर भूरे ने जनचौपाल में जिले के अलग-अलग जगहों से आये लोंगो की समस्याएं और परेशानियां से संबंधित आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया। लोगों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों का परीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर आवश्यक निर्देश भी दिए। जनचौपाल में 40 से अधिक आवेदन मिलें। जनचौपाल में नगर पंचायत कूंरा के शत्रुहन बंजारे ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि का लाभ प्रदान करने, रावतपुरा फेस-2 मठपुरैना के निवासियों ने सार्वजनिक रूप से बने मुख्य मार्ग को बाधित किए जाने, तिल्दा के पंकज डोडवानी ने तहसीलदार द्वारा पारित स्थगन आदेश को हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह नगर पंचायत कूंरा वार्ड- 14 के निवासियों ने आवासीय पट्टा प्रदान करने, बिरगांव की आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर पुन: बहाली हेतु आवेदन पर कलेक्टर ने नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही। आरंग निवासी रमेश पटेल ने शासकीय घास जमीन पर अतिक्रमण कर विधि विरुद्ध व्यावसायिक परिसर का निर्माण कार्य करने वाले के ऊपर कार्यवाही कर अतिक्रमण भूमि से बेदखल करने तथा मंदिरहसौद की शांता कोसरिया ने अपने पिता की संपत्ति पर हक दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्रस्तुत आवेदनों पर नियमानुसार संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में अब तक 650.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 650.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आठ अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1658.2 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 273.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 370.6 मिमी, बलरामपुर में 311.0 मिमी, जशपुर में 354.5 मिमी, कोरिया में 386.4 मिमी, रायपुर में 423.4 मिमी, बलौदाबाजार में 577.3 मिमी, गरियाबंद में 719.2 मिमी, महासमुंद में 596.2 मिमी, धमतरी में 717.6 मिमी, बिलासपुर में 658.8 मिमी, मुंगेली में 658.9 मिमी, रायगढ़ में 576.9 मिमी, जांजगीर-चांपा में 735.2 मिमी, कोरबा में 486.9 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 585.1 मिमी, दुर्ग में 578.8 मिमी, कबीरधाम में 610.1 मिमी, राजनांदगांव में 662.7 मिमी, बालोद में 743.6 मिमी, बेमेतरा में 410.6 मिमी, बस्तर में 989.3 मिमी, कोण्डागांव में 746.0 मिमी, कांकेर में 858.1 मिमी, नारायणपुर में 744.7 मिमी, दंतेवाड़ा में 1029.7 मिमी और सुकमा में 737.2 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

जिला आयुर्वेद अधिकारियों तथा आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सकों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल और उन्हें समुचित स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने प्रदेश भर के जिला आयुर्वेद अधिकारियों तथा आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सकों को आयुर्वेद संचालनालय द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित प्रशिक्षण में राज्य के चिन्हांकित 240 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के चिकित्सक भी शामिल हुए।

प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह के दौरान संचालक, आयुष पी. दयानंद द्वारा सभी जिला आयुर्वेद अधिकारियों और चिकित्सकों को जनसामान्य में आयुष पद्धतियों की बढ़ती हुई महत्ता से अवगत कराते हुए, चिन्हांकित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में शीघ्र गतिविधियां प्रारंभ कर लोगों को अधिकाधिक सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने की अपेक्षा जताई।

सहायक संचालक डॉ. विजय साहू, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. मुकुंद अग्रवाल और एचएमआईएस प्रबंधक टी. निवासन ने अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्हें आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के अंतर्गत सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में अधिकारियों को आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में दी जाने वाली सुविधाओं, उनकी व्यवस्था, वित्तीय प्रावधानों तथा वहां पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

लोगों की मदद करके मनाएं आजादी का महापर्व

समस्याएं आपके आस-पास ही हैं, बस देखने का नजरिया चाहिए

स्वतंत्रता दिवस नजदीक आ रहा है, यह एक ऐसा दिन है, जिस दिन पूरा देश आजादी के पर्व में डूबा रहता है। यह बहुत महत्वपूर्ण दिन होता है। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं होता है कि हम देश प्रेम की जज्बा साल में सिर्फ ऐसे मौकों पर ही दिखाएं। सोनू सूद कहते है, 'मेरे लिए आजादी का पर्व हर दिन है। मेरे लिए आजादी तब होती है, जब एक हिंदुस्तानी दूसरे हिंदुस्तानी पर गर्व महसूस कर सके। हम एक दूसरे से मदद की उम्मीद कर सके। हर हिंदुस्तानी एक दूसरे से उम्मीद कर सके कि ये मेरी जिंदगी बदल सकता है। मेरी जिंदगी में कुछ बदलाव ला सकता है।

किसी की जिंदगी बदलकर मनाएं आजादी का महापर्व

आजादी के सही मायने को लेकर सोनू सूद कहते है, 'जब आप किसी की मदद करने के लिए आजाद हो, आप आजाद हो किसी से मदद मांगने के लिए, असल में सही मायने में यही आजादी है। मैं सभी लोगों से यही कहना चाहता हूं कि इस आजादी के पर्व को किसी की जिंदगी बदलकर मनाए। किसी बच्चे को आगे बढ़ाकर, तो किसी का इलाज करके, किसी की सर्जरी कराके, किसी को नौकरी दिलाके, आजादी के पर्व को मनाएं। ऐसा लगे कि मैंने एक हिंदुस्तान का नागरिक होने के नाते यह किया है। जब आप किसी की मदद करते है तो उससे आपको इतनी खुशी मिलती है, जितनी खुशी जिंदगी में कभी किसी काम को करने से नहीं मिली होगी।

घर से मिली मदद करने की प्रेरणा

बचपन में सोनू सूद के घर का ऐसा माहौल था, जिसे देखकर उन्हें लोगो को मदद करने की प्रेरणा मिली है। सोनू सूद कहते है, 'हम घर में बचपन से देखते आए हैं कि मेरी मां ताउम्र बच्चों को फ्री में पढ़ाती थीं। पिता जी ताउम्र लंगर खिलाते थे। लोग खुशी से खाना खाकर जाते थे, हम उस माहौल में पले बढ़े हैं। उस समय हमें नहीं पता था कि उसके क्या मायने है? लोगों को खाना मिलता था, खाना खा कर खुशी से जाते थे, तो मुझे वह सब देखकर बहुत खुशी होती थी। जब बच्चे पढ़कर पास होकर मम्मी को थैंक यू बोलने आते थे तो यह सब देखकर बहुत अच्छा लगता था। मुझे 18 साल में एक्टिंग करके उतनी खुशी नहीं मिली, जितनी खुशी पिछले दो साल में मिली है। मेरे माता पिता आज जहां भी होंगे अच्छा महसूस कर रहे होंगे कि जिस रास्ते को उन्होंने चुना, मैं भी उसी रास्ते पर हूं।

समस्या का इन्तजार न करें

सोनू सूद के मुताबिक अगर आपके अंदर किसी को मदद करने जज्बा हो तो उसके लिए समस्या का इंतजार नहीं करें। वह कहते है, 'मदद के लिए समस्या का इंतजार मत करो, आपके आस आप भी बहुत सारी समस्याएं है। जरूरी है कि आप उसे कितना देख पाते हो। जब आप लोगो की मदद करना शुरू करेंगे तो लोग खुद आपके पास चलकर आएंगे। अगर लोग आपके दरवाजे पर मदद की उम्मीद लगाकर खड़े है, तो इसका मतलब यह कि यहां लोगों को मदद मिल रही है। हो सकता है कि शुरू में आपको थोड़ी परेशानी हो। मुझे भी निशाना बनाया गया। बहुत सारी मुश्किलें भी आईं, मेरी माता जी कहा करती थी कि अगर अगर रास्ते में स्पीड ब्रेकर आए तो समझ लेना चाहिए कि सही रास्ते पर जा रहे हो। मुश्किलें उसी रास्ते पर आएंगी जो रास्ता मंजिल की ओर बढ़ेगा।

मदद करने के लिए कामयाब होना जरुरी नहीं

अक्सर लोग सोचते है कि हम इस काबिल नही कि दूसरों की मदद कर सकें। सोनू सूद कहते हैं, 'ऐसा नहीं है कि आप कामयाब होने के बाद ही किसी की मदद कर सकते हैं। आप इस समय का इन्तजार मत करो कि आप मशहूर हो जाएंगे और आप के पास पैसे आ जाएंगे तब आप दूसरों की मदद कर सकते हैं। आप जिस स्थिति में हैं, उसी स्थिति में अपने हिसाब से मदद कर सकते है। आप कितने भी कमजोर क्यों न हो, एक कड़ी बनकर आप मदद कर सकते हैं। मेरे यहां पिछले 17 साल से जो दूधवाला आता है, उसने कई लोगों की जान बचाई है। ये सबसे बड़ा उदाहरण है कि मदद करने के लिए आपको कामयाब या पैसे होने वाला जरूरी नहीं है।'

अली फजल-ऋचा वेडिंग

सितंबर में शादी के बाद ग्रैंड रिसेप्शन देंगे ऋचा-अली, 400 मेहमान होंगे शामिल

एक्टर अली फजल और ऋचा चड्ढा लंबे समय से अपनी शादी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब खबर आ रही है कि अली और ऋचा इस साल सितंबर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कपल की शादी एक भव्य और बहुत बड़े लेवल पर होगी। शादी के बाद कपल मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन भी देगा, जिसमें 400 मेहमान शामिल होंगे।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी का इंतजार करने के बाद लवबर्ड्स अली-ऋचा चड्ढा आखिरकार सितंबर के आखिरी हफ्ते में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ दिल्ली में शादी के बंधन में बंधने की प्लानिंग कर रहा है। इसके बाद कपल मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन देंगे, जिसमें 350-400 मेहमान शामिल होंगे। दोनों को एक-दूसरे को डेट करते हुए कई साल हो चुके हैं और अब फाइनली दोनों शादी के बंधन में बंध रहे हैं।

2020 में कोरोना के कारण टल गई थी शादी

अली और ऋचा ने 2019 में सगाई की थी और 2020 में शादी करने के लिए तैयार हो गए थे। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पहले दोनों ने शादी के लिए 21, 23 और 24 अप्रैल का दिन तय किया था। हालांकि, कोविड -19 लॉकडाउन की वजह से उन्हें अपनी शादी कैंसिल करनी पड़ी थी।

ऋचा चड्ढा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह और अली दोनों अपनी शादी की प्लानिंग कर रहे थे और इनविटेशन बस भेजने के लिए तैयार ही थे। हालांकि, कोविड को ध्यान में रखते हुए और अपने परिवार के बुजुर्ग सदस्यों को देखते हुए कपल ने इसके लिए इंतजार करने का फैसला किया। ऋचा ने कहा था, अब, हम सामान्य स्थिति वापस आने पर ही शादी करेंगे।

पिछले साल नए घर में शिफ्ट हुआ था कपल

कपल पिछले साल अपने नए घर में शिफ्ट भी हो गए थे। जबकि शादी की प्लानिंग को रोक दिया गया था। दोनों ने अब एक साथ आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है। बता दें कि ऋचा और अली की पहली मुलाकात फिल्म 'फुकरे' के सेट पर हुई थी और यहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई थी। ऋचा को देखते ही अली दिल दे बैठे थे। लेकिन, ऋचा ने पहले अली को प्रपोज किया था, जिसका जवाब देने में एक्टर ने तीन महीने लगा दिए थे।

आमिर खान का ड्रीम प्रोजेक्टः आमिर बोले- 'महाभारत' पर फिल्म बनाना मेरा सपना है, लेकिन मैं डरता हूं

एक्टर आमिर खान की अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' 11 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। आमिर इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। अब हाल ही में फिल्म के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान आमिर खान ने हिंदू माइथोलॉजी 'महाभारत' यानी अपने ड्रीम प्रोजेक्ट पर फिल्म बनाने की अपनी इच्छा जाहिर की है, जिसके बारे में वे पिछले 10 साल से सोच रहे हैं। हालांकि, आमिर ने यह भी कहा है कि उन्हें 'महाभारत' पर फिल्म बनाने में डर भी लगता है।

'महाभारत' मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है, लेकिन डरता हूं

आमिर खान ने कहा, जब आप महाभारत बना रहे हैं, तो आप फिल्म नहीं बना रहे हैं, आप एक यज्ञ कर रहे हैं। यह कोई फिल्म नहीं है, यह उससे कहीं ज्यादा है। इसलिए मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं। मैं इसे सामने लाने से डरता हूं। महाभारत आपको कभी निराश नहीं करेगी, लेकिन आप इसे निराश कर सकते हैं।

'महाभारत' बनाने के लिए 20 साल देने होंगे

आमिर खान ने इससे पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि 'महाभारत' बनाना उनके लिए एक सपना है। उन्होंने कहा था, यह मेरी एक इच्छा है। यह प्रोजेक्ट बहुत बड़ा है। यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट है, लेकिन अगर मैं आज फैसला करता हूं कि मैं इसे बना रहा हूं, तो मुझे इसे 20 साल देने होंगे। यही कारण है कि मुझे डर लगता है, अगर मैं हां कहता हूं और इसे बनाने का फैसला करता हूं, तो पांच साल केवल इसके लिए स्टडी में और फिर उसे एग्जीक्यूट करने में लगेंगे। यह कंटेंट मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग है।

आमिर की 'लाल सिंह चड्ढा' में लगे थे 14 साल

हाल ही में आमिर खान ने बताया था कि 'लाल सिंह चड्ढा' में 14 साल लगे थे। आमिर ने कहा था, हां, इसमें काफी समय लगा। कुल मिलाकर 14 साल लगे। फिल्म के लिए राइट्स हासिल करने में ही लगभग 8 से 9 साल लग गए थे। अद्वैत चंदन के डायरेक्शन में बनी 'लाल सिंह चड्ढा' में आमिर के अलावा करीना कपूर खान, मोना सिंह और नागा चैतन्य भी लीड रोल में हैं। 180 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म को 5000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा।

अब महेश बाबू को पैन इंडिया स्टार बनाएंगे एसएस राजामौली, जल्द फिल्म के नाम का करेंगे एलान

महेश बाबू की गिनती तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार्स में की जाती है। आज वह अपना जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर के बर्थडे के दिन उनके फैंस के लिए इससे बड़ी खुशखबरी और क्या हो सकती है कि वह मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली के साथ काम फिल्म करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उनके इस खुलासे के बाद से ही फैंस की बेसब्री काफी ज्यादा बढ़ गई है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राजामौली के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उनके साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है। राजामौली गारु के साथ एक फिल्म करना 25 फिल्मों के बराबर है। यह शारीरिक रूप से बहुत कठिन होने वाला है, लेकिन मैं इसके बारे में वास्तव में बहुत उत्साहित हूं। यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी। मुझे उम्मीद है कि हम कई बाधाओं को तोड़कर अपने काम को देश भर के दर्शकों तक पहुंचाएंगे।'

इस फिल्म में नजर आएंगे महेश बाबू

कुछ समय पहले ही विदेश से छुट्टी मनाकर लौटे महेश बाबू जल्द ही त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ

काम करते नजर आने वाले हैं। इससे पहले वह उनके साथ अठाडु और खलेजा में नजर आ चुके हैं। महेश बाबू की त्रिविक्रम के साथ यह तीसरी फिल्म होगी। इस फिल्म के बाद ही वह राजामौली की फिल्म शुरू करेंगे।

बता दें कि महेश बाबू न केवल दक्षिण के सुपरस्टार हैं, बल्कि हिंदी दर्शकों सहित देश भर में उनके प्रशंसक हैं। हालांकि हाल ही में अभिनेता को उनके बॉलीवुड पर दिए गए बयान पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। वहीं, राजमौली की बात करें तो वह केवल साउथ ही नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े डायरेक्टर्स में से एक हैं। अब तक उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया था।

विद्युत जामवाल की 'कमांडो' फ्रेंचाइजी पर वेब सीरीज का आएगा मल्टीपल सीजन

विद्युत जामवाल को प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह ने 'फोर्स' में बतौर निगेटिव लीड और फिर बाद में 'कमांडो' में हीरो के तौर पर लॉन्च किया था। विपुल ने 'फोर्स' फ्रेंचाइजी के राइट्स अब जॉन अब्राहम को बेच दिए हैं, जबकि 'कमांडो' से इंस्पायर्ड उसी टाइटल पर वो चार एपिसोड की वेब सीरीज ला रहे हैं। हालांकि, इसमें वो विद्युत को कास्ट नहीं कर रहें हैं। बेशक उस वेब सीरीज के पूरा होने पर वो 'कमांडो' फ्रेंचाइजी की अगली किश्त की रूपरेखा तय करेंगे।

कमांडो फ्रेंचाइजी पर फिल्में और वेब सीरीज के मल्टीपल सीजन भी लाते रहेंगे

विपुल शाह ने कहा, हम इस फ्रेंचाइजी पर आगे फिल्में भी लाते रहेंगे और वेब सीरीज के मल्टीपल सीजन भी लाते रहेंगे। फिल्में जब बनेंगी तो वो विद्युत करेंगे, ये तय है। ओटीटी में हम एक नया कमांडो लाएंगे। हम इसे ओटीटी पर इसलिए ला रहे, क्योंकि वहां पर थ्रिलर जॉनर तो काफी बन रहे, मगर एक्शन का स्पेस खाली है। वहां इक्का दुक्का वेब सीरीज के एकाद एपिसोड में एक्शन के एकाद एक्शन सीन होते हैं। एक्शन इस देश का जॉनर है, मगर वह बनते कम हैं।

इंडिया में पहली बार है, जब किसी फिल्म पर वेब सीरीज लाई जा रही है

विपुल ने आगे कहा, ये इंडिया में पहली बार है, जब किसी सफल फिल्म पर वेब सीरीज लाई जा रही है। साथ ही एक बड़ा ऑडियंस ग्रुप है, जिसने सैटेलाइट और ओटीटी चैनलों पर कमांडो फिल्म को काफी देखा है। लिहाजा हमारे पास उस पर वेब सीरीज के लिए ऑलरेडी फैन बेस है। हॉलीवुड में तो इसकी परंपरा रही है। वहां 'जैक राएन' फिल्म बनती है तो उसी पर 'जैक राएन' नामक ओटीटी आता है। 'जैक रीचर' और 'शूटर' नाम की फिल्म बनती है तो उसी पर वेब सीरीज आती है। अब 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' पर भी वेब सीरीज लाई जा रही है। उसमें बेसिकली प्रीक्वल यानी पहले की कहानी होगी। तभी हमने सोचा कि इंडिया में भी इस ट्रेंड को लाने का यह करेक्ट टाइम है।

वेब सीरीज में विद्युत की जगह हम नए कमांडो इंट्रोड्यूस कर रहें हैं

विद्युत के ओटीटी रिप्लेसमेंट ढूंढने पर विपुल ने कहा, विद्युत दुनिया के टॉप मार्शल आर्ट्स आर्टिस्टों में से एक हैं। उन्हें रिप्लेस करने की कोशिश नहीं है। हम बस एक नए तरह का कमांडो इंट्रोड्यूस कर रहें हैं। इसमें देश के हर कोने से हमें युवाओं के शो रील मिले हैं। मैंने भी सुना ही है कास्टिंग डायरेक्टर्स के पास शायद 10 हजार ऑडिशन मिले हैं। वो नंबर तो मुझे नहीं मालूम, मगर हम सभी के शो रील का मूल्यांकन कर रहें हैं। पहले तैयारी थी कि 10 अगस्त तक हम शायद नामों की घोषणा कर सकें। मगर अब यह इंडिपेंडेंस डे के मौके पर हो सकेगा।

यह वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी

इस बात पर विपुल ने कहा कि क्यों रोहित शेट्टी के वेब सीरीज डेब्यू में सिद्धार्थ मल्होत्रा की तरह वैसा ही बड़ा स्टार यहां नहीं लाया जा रहा है। विपुल के मुताबिक, यह वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी। उन्होंने भी हमारे इस विजन को सपोर्ट किया कि जिस तरह दस साल पहले 'कमांडो' से विद्युत जैसे नए फेस को लॉनच किया गया था, क्यों न वैसे ही अब ओटीटी पर किया जाए। तो इसलिए नए चेहरे को लाया जा रहा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI XII B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

संवेदना परिवार ने पहाड़ी कोरवाओं को दिया जरूरी सामान

कोरबा। संवेदना परिवार के द्वारा मदनपुर और केराकच्छार ग्राम पंचायत सरडीह मे पहाड़ी कोरवा के पास गए और उनको जरूरत के हिसाब से कपडे बिस्किट मिठाई और अन्य जरुरत के सामान का वितरण किया गया और उनकी समस्या की जानकारी लिए जिसमे मुख्य रूप से वहां के बच्चो के लिए आंगनवाड़ी भवन नही है और ना ही वहां पर स्कूल है इन पहाड़ी कोरवा बच्चों का शुद्ध लेने वाला कोई नहीं है जिसे वहां के बच्चे पढ़ाई लिखाई से वचित होने को मजबूर हो रहे हैं वहीं उनको शासन से मिलने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना मे जो आवास बना है वह भी आवास अपूर्ण है होने से उनको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वहां रह रहे पहाड़ी कोरवाओं को रोजगार की कमी का सामना करना पड़ रहा है संवेदना परिवार के अध्यक्ष श्रीजीत नायर के साथ उनके सदस्य सुनील वर्मा, दीपक कश्यप, प्रवीण, देवा बंजारे, नीलम लकड़ा, विनिशा क्लॉर्क ने महत्वपूर्ण कार्य किया एवं संवेदना परिवार को आर्थिक सहयोग देने वाले अखिलेश्वर एवं साइबर सोनी, दीपक कश्यप, शोभा चौहान, नीलम का सहयोग काफी अनुकरणीय योगदान रहा है। भविष्य में भी वनांचल क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी पहाड़ी कोरवा बिरहोर पांडव अति पिछड़ी जनजाति के लोगों को निरंतर सहयोग संस्था के द्वारा करता रहेगा और उनकी समस्याओं को शासन प्रशासन के सामने लाने का प्रयास भी किया जाएगा जिससे उनकी रहन सहन खानपान की स्थिति एवं आम नागरिकों की तरह मूल धारा में जोड़ा जा सके उनके बच्चे पढ़ लिखकर अपने परिवार का नाम को रोशन कर सकें।

ई-जन चौपाल में प्रस्तुत आवेदन का तत्काल निराकरण

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा आज आयोजित ई-जनचौपाल में कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम कमलपुर निवासी आवेदक भबतोष माली पिता धीनेन माली ने ग्राम कमलपुर और ग्राम विश्रामपुर में अपने भूमिस्वामी हक की भूमि में त्रुटि होने की जानकारी देते हुए उसे सुधारने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर द्वारा इस पर तत्काल कार्यवाही करने के लिए एसडीएम पखांजूर ए.एस. पैकरा को निर्देश दिये गये। त्वरित कार्यवाही किया जाकर तहसील कार्यालय पखांजूर द्वारा आवेदक भबतोष माली के भूमि के रिकार्ड में हुई त्रुटि को तत्काल सुधार किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष : बदल रही है बैगाओं के जीवन की दशा और दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में कबीरधाम प्रदेश का एक मात्र ऐसा जिला है, जहां विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल बैगा जनजाति की सर्वाधिक जनसंख्या और आबादी इस जिले में निवास करती है। मैकल पर्वत श्रृंखला से लगे जिले के बोडला और पंडरिया दो विकासखण्ड के सूदूर और दुर्गम पहाड़ियों पर अधिकांश बैगा बसाहवट गांव है। जिले में कुल 263 चिन्हांकित विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति की गांव, बसाहवट है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में निवास विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के जीवन में शिक्षा,स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ने के बाद सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बैगा जनजाति के कक्षा पहली और दूसरी के बच्चे अब अपनी ही बोली-भाषा में तैयार की गई बैगानी भाषा में प्रकाशित किताबें पढ़ रहे है। इससे बैगा जनजाति की नई पीढ़ियों को शिक्षा से जोड़ने में और मदद भी मिल रही है। राज्य शासन के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़ ने इस किताब को तैयार किया है। अब जल्द ही बैगा-बोली भाषा में पहाड़ा और बारहखड़ी भी प्रकाशित होने वाली। इस दिशा में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के विशेष प्रयासों से राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव का आयोजन हुआ। इस सम्मलेन में राज्य विभिन्न जिलों में निवासरत पांच विशेष पिछड़ी जनजातियां बैगा, अबूझमाड़िया, कमार, पहाड़ी कोरबा और बिरहोर के प्रतिनिधिमंडल ने शिरकत की। कबीरधाम जिले से विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष श्री ईतवारी बैगा भी शामिल हुए। श्री ईतवारी बैगा ने राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव में मिले सम्मान और प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं से उनके जीवन में आ रहे व्यापक बदलाव के अनुभवों को साझा किया। जिले के विशेष पिछड़ी बैगा जाति का मानना है कि राज्य सरकार की नीति से समाज के पढे लिखे-युवक-युवतियों को स्थानीय स्तर पर शाला संगवारी, मितानिन कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका, सहित जिला स्तर पर सीधी भर्ती में प्राथमिकता देने से समाज के लोगों में शिक्षा के प्रति चेतना आई है। शिक्षा के महत्व को समझने लगे है। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति आई जागरूकता से जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव भी देखी जा रही है। समाज का मानना है कि शिक्षा ही सभी समस्याओं का हल है, और यही शिक्षा ही बेहतर कल देने की हमारी मदद करेगी।

छत्तीसगढ़ में निवासरत विशेष पिछड़ी संरक्षित जनजातियों की रहन-सहन,बोली-भाषा, वेश-भूषा, कला,संस्कृति और उनके रीति-रिवाजों को मूलस्वरूप में बनाए रखने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष पिछड़ी बैगा जनजातियों के बच्चों को लिए कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखण्ड के ग्राम पोलमी में बालक और बालिका के आवासीय विद्यालय संचालित है। यहां कक्षा पहली से दसवीं तक कक्षा संचालित है।

बालक और बालिका के लिए सौ-सौ सीट निर्धारित है। इसी प्रकार बोडला विकासखण्ड के ग्राम चौरा में आवासीय विद्यालय खोली गई है। कवर्धा में बैगा बालक छात्रावास संचालित है। पंडरिया विकासखण्ड के ग्राम कुकदूर में लगभग 14 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से राज्य शासन द्वारा विशेष पिछडी बैगा जनजाति के पोस्ट मैट्रिक विद्यार्थियों के लिए छात्रावास तैयार किया जा रहा है। इस छात्रावास में बालक और बालिका के लिए 250 सीट अलग-अलग निर्धारित है।

भारी बारिश में भी कम नहीं हुआ लोगों का उत्साह हाथ में तिरंगा थामे दिखाया देशप्रेम का जज्बा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम और हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज श्रीराम जन्मोत्सव की पदयात्रा रिसाली क्षेत्र में आयोजित की गई। जिसमें तेज बारिश में हजारों की संख्या में शामिल लोगों ने देशप्रेम का जज्बा दिखाया। डीपीएस चौक रिसाली से प्रारंभ पदयात्रा में शामिल होकर लोगों ने एक स्वर में रिसालीवासियों को अपने घरों में तिरंगा ध्वज फहराने आह्वान किया। तेज बारिश में भारत माता की जय और जय हिंद के नारों से रिसाली क्षेत्र गुंजायमान हो उठा, वहीं राष्ट्र के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

देश की आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज रिसाली क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों से जुड़े सदस्यों ने अपनी सहभागिता दी। तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं ने भीगते हुए पूरे रिसाली क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों को अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की। इस अभियान में आज लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय भी लोगों के साथ पदयात्रा में तिरंगा झंडा थामकर हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारी नई युवा पीढ़ी के जुड़ाव को और गहरा करेगी। उन्होंने कहा कि आज हम उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं जिन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का सपना देखा था। हम उनके सपनों को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने कहा कि देश इस साल आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस पावन अवसर पर आइए हम सभी मिलकर हर घर तिरंगा मुहिम को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हर घर तिरंगा अभियान दर्शाता है कि स्वतंत्रता दिवस का समारोह सरकारी दिवस न होकर जनता का त्योहार बन चुका है। पदयात्रा में मुख्य रूप से समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर, जिलाध्यक्ष सेवकराम साहू, योगेंद्र पाण्डेय, रविन्द्र भगत, विष्णु पाठक, सुधांशु सिंह, रंग बहादुर सिंह, धर्मेंद्र भगत, मदन सेन, गोल्डी सोनी, रेहान अहमद, राहुल भोंसले, अभिषेक सिंह, रोहित तिवारी, यशवंत राजपूत सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य एवं आमजन शामिल हुए।

तेज बारिश में भी नहीं थमे पैर

आज पदयात्रा के दौरान रिसाली क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं और युवा शामिल हुए। पदयात्रा की शुरूआत से ही तेज बारिश होने की बावजूद इसके सभी ने जोरदार उत्साह दिखाते हुए पदयात्रा जारी रखी। बारिश के साथ लोगों का उत्साह अपने चरम पर था और सभी की बुलंद आवाज में देशप्रेम का जज्बा दिखाई पड़ रहा था। लोगों के उत्साह इस बात से लगाया जा सकता है कि भारी बारिश के बावजूद देशभक्तों के हुजुम को देखते हुए रिसालीवासियों ने सभी का जोरदार अभिवादन किया।

महिलाओं के निजता भंग के मामले में महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कलेक्टर को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज सोमवार को जनसुनवाई बेमेतरा कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई। जनसुनवाई में जिले के 16 विभिन्न प्रकरण रखे गये थे, जिसमें से 13 प्रकरणों को नस्तीबद्ध किया गया। जनसुनवाई में आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय भी उपस्थित थी।

एक अन्य प्रकरण की सुनवाई के दौरान जिला चिकित्सालय में महिलाओं के निजता भंग होने का मामला आया जिसमें आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा और कार्यवाही करते हुए प्रकरण नस्तीबद्ध किया। इसके साथ ही जिले में मानव तस्करी रोकथाम (एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) अन्य हितधारकों तथा पीड़ितों के पुनर्वास विषय परिचर्चा भी आयोजित की गई।

एक प्रकरण में आवेदिका द्वारा तथ्यों को नहीं बता पाने के कारण आयोग ने जिला संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया कि आवेदिका के गांव जाकर प्रकरण की जांच कर आयोग में प्रस्तुत करें। अनावेदक सरंपच ने बताया कि आवेदिका ने उसके खिलाफ कई जगह शिकायत किया गया है, लेकिन आज कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है।

इस पर आयोग ने पुलिस के माध्यम से प्रकरण में उभय पक्षों के दो-दो लोगों से पूछताछ कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिसके आधार पर निर्णय लिया जा सके। इस अवसर पर महिला जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, शासकीय अभिभाषक भी उपस्थित थे।

हाट बाजार में इलाज कराकर स्वस्थ हुए शिवनारायण और मोहित, नियमित जांच और निःशुल्क दवाईयों से मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 48 साल के शिवनारायण कोरिया जिले के रतनपुर के रहने वाले हैं। शिव नारायण को पिछले कुछ समय से कमजोरी महसूस हो रही थी। इन्हें पेट दर्द और कमर दर्द की समस्या थी। इन्होंने रतनपुर के हाट बाजार में उपस्थित मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी जांच कराई। हाट बाज़ार क्लीनिक में उनके बीपी, शुगर तथा हीमोग्लोबिन की जांच की गई। जांच में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम पाए जाने पर डॉक्टरों ने शिव नारायण को नि:शुल्क दवाइयां दी तथा खानपान के सम्बन्ध में सलाह भी दी। अब शिव नारायण तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं।

इसी तरह से कोरिया जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में लोगों तक ही रहने वाले 51 वर्षीय मोहित विश्वकर्मा हाई बीपी और सिर दर्द की समस्या से पीड़ित थे। इनका कहना है कि हाट बाजार क्लीनिक में डॉक्टरों द्वारा दी गयी दवाइयों से इन्हें राहत मिली है और अब ये नियमित रूप से हाट बाजार में अपना इलाज करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य सुविधाओं की आसान पहुंच के लिए हाट बाजार क्लिनिक योजना की शुरूआत की थी। इसके अंतर्गत साप्ताहिक हाट बाज़ारों में डेडिकेटेड वाहनों के माध्यम से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, जांच एवं असरकारक दवाइयों से लोगों को उत्तम स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

अकेले कोरिया जिले में अब तक 35 हाट बाजारों के माध्यम से लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचायी जा रही थीं। इनकी लोकप्रियता और बढ़ती मांग को देखते हुए कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देश पर वर्तमान में हाट बाज़ारों की संख्या में वृद्धि की गई है, जिसके तहत 07 नवीन हाट बाज़ारों को चिन्हांकित किया गया है। अब जिले में कुल 42 हाट बाज़ारों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा लोगों का इलाज किया जाएगा।

07 नवीन हाट बाजार, जहां लोगों को मिलेंगी सुविधाएं

विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के साप्ताहिक हाट बाजार चरचा में प्रत्येक रविवार तथा सलका में मंगलवार, विकासखण्ड भरतपुर के कटवार में गुरुवार, विकासखण्ड खड़गवां के पोंड़ी में गुरुवार तथा बंजारीडांड में शनिवार, विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ढुलकु में मंगलवार तथा विकासखण्ड सोनहत के कटगोड़ी में गुरुवार को लोगों को हाट बाजार क्लीनिक के माध्यम से नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

विगत 4 माह में 41 हजार से अधिक को मिला नि:शुल्क जांच एवं दवाईयों का लाभ योजना के तहत साप्ताहिक हाट बाजारों में डेडिकेटेड वाहनों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिले में आयोजित 608 हाट बाज़ारों में लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाया। 1 अप्रैल 2022 से अब तक कुल 41 हजार 72 मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया गया, जिनमें 41 हजार 163 का टेस्ट कर नि:शुल्क दवाइयां दी गई।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में जिले में अमृत सरोवर निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जल संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में जिले में अमृत सरोवर निर्माण का कार्य तेजी से हो रहा है। अब तक 167 अमृत सरोवर आकार ले रहे हैं। अमृत सरोवर निर्माण कार्यों के अंतर्गत सभी अमृत सरोवर के लिए स्थानीय, स्वसहायता समूह, कृषक ग्रुप की पहचान यूजर ग्रुप के रूप में करते हुये उनका अमृत सरोवर के अभियान में सहभागिता सुनिश्चित की गई है। ताकि यूजर ग्रुप निर्माण के पश्चात तालाबों का उपयोग आजीविका, कृषि कार्य के लिए करते हुए उसकी देख-रेख कर सकें। अमृत सरोवर के निर्माण से मनरेगा के तहत श्रमिकों को कार्य मिला है।

कलेक्टर डोमन सिंह ने कहा कि अमृत सरोवर निर्माण कार्यों में स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शिलान्यास स्वतंत्रता सेनानी या उनके परिवार के सदस्य, शहीद के परिवार द्वारा या स्थानीय पद्म पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति या वरिष्ठ सम्मानीय नागरिक द्वारा किया जाएगा। कार्य स्थल पर 15 अगस्त को ध्वजारोहण किया जाएगा। 15 अगस्त 2022 को अमृत सरोवर निर्माण स्थल पर ध्वजारोहण करने वाले सम्मानीय नागरिक के नेतृत्व में वृक्षारोपण कराया जाए। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि कम से कम 10 कार्य स्थलों पर वृक्षारोपण न्यूनतम प्रतीक के रूप में कुछ परंपरागत पौधे- बरगद, नीम पीपल इत्यादि कार्यों की स्वीकृति प्रदान करते हुए 15 अगस्त तक आवश्यक तैयारी सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि ऐसे जिले जहां वर्षा कम हुई है, उन जिलों में अमृत सरोवर निर्माण के कार्य को विशेष ध्यान देते हुए पूर्ण करने का प्रयास किया किया गया है। इससे प्रोजेक्टों के निकट के अमृत सरोवर के खुदाई से प्राप्त मिट्टी के उपयोग के संबंध में एनएचएई तथा रेलवे के सक्षम अधिकारी से समन्वय करते हुए कार्य करने कहा गया है। जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अमृत सरोवर की प्रभावी पहल से जनसामान्य को लाभ मिलेगा।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

MISCHIEF Men's Store
UPTO 70% OFF
Complete Multibrand Store
Mo.-7999112303
mischieforignals
Shop NO. 7A/5, Ekta Tower Dakshin, Gangotri, Supela, Bhilai (C.G.)

राजहंस राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

जादू टोने के शक में हत्याः तांत्रिक ने कहा-मां-बाप को मार डालो, बीमारी ठीक हो जाएगी और पैसे वाले हो जाओगे

रायगढ़ (ए)। एक अगस्त को सरिया इलाके में सूरजगढ़ पुल के पास मिले दो शवों के मामले में सरिया पुलिस ने लैलूंगा और जशपुर से नाबालिग समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक फरार है। हत्या की वजह जादू-टोने का शक था। एक तांत्रिक के कहने पर दामाद और परिजन ने मिलकर दंपती की हत्या की थी। मारे गए दोनों लोग जशपुर बागबहार के थे। वे रायगढ़ में रहते थे। आरोपी हत्या के बाद शवों को महानदी में फेंक गांव लौट गए थे। एसपी अभिषेक मीना ने बताया शव मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के थानों में फोटो भिजवाई थी।

सोशल मीडिया के जरिए ओडिशा के सीमावर्ती और आस-पास के इलाकों में सूचना भिजवाई थी। तभी पुलिस को पता चला कि मारे गए दंपती 40 साल के सुकरू यादव और 35 साल की मनवती यादव हैं। ये दोनों महेशपुर बागबहार जशपुर के रहने वाले थे। शहर के भगवानपुर में रहकर माली का काम करते थे। इतनी जानकारी मिलने के बाद सरिया पुलिस को पतासाजी के लिए महेशपुर भेजा। पड़ताल में हत्या की वजह और लोगों का सुराग मिला। मामले में पुलिस ने नाबालिग सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

तांत्रिक ने कहा था- बीमार लड़के पर माता पिता ने ही जादू कर दिया है

एक आरोपी ने बताया वे दो भाई और एक बहन है। दंपती रायगढ़ भगवानपुर में रहते थे। वे

भाइयों को कुछ नहीं देते थे। गांव में खेती करने वाला भाई खुलेश्वर यादव मानसिक रूप से बीमार हो गया था। उसे लेकर ये लोग सतगुरु आश्रम झीमकी चौकी कोतबा के तांत्रिक छत्रमोहन यादव के पास गए। तांत्रिक बोला लड़के पर माता-पिता ने ही जादू किया है। तुम उनकी हत्या कर दो तो युवक ठीक हो जाएगा और आर्थिक रूप से संपन्न हो जाओगे। आरोपी ने जीजा नरसिंह यादव और चचेरे भाई राजूराम, भोले शंकर, शंकर, खगेश्वर, ईश्वर और दशरथ यादव को साथ लिया और हत्या की योजना बनाई।

30 जुलाई को किराए की बोलेरो से रायगढ़ पहुंचे। सभी दंपती के मकान में पहुंचे और कहा कि खुलेश्वर की तबीयत ज्यादा खराब है। साथ चलकर मिल लो। बोलेरो में बैठाकर उन्हें महानदी पुल के पार सरिया भटली रोड तक ले गए। गाड़ी एकांत तरफले गए तो दंपती ने पूछा सुनसान में किधर जा रहे हो। तभी खगेश्वर और शंकर दंपती के हाथ पकड़े और मुंह दबा दिया।

नाबालिग और दशरथ ने गमछे को फाड़ा और गले में लपेट कर घोंट दिया। रोड किनारे पड़े दो सीमेंट का खम्भों के टुकड़े को रस्सी से बांध बोलेरो से परसरामपुर महानदी पुल के ऊपर पहुंचे और शवों को पुल से फेंक दिया, फिर अपने-अपने घर चले गए। नाबालिग, नरसिंह, राजूराम, भोलेशंकर, शंकर, खगेश्वर और ईश्वर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतबा के तांत्रिक छत्रमोहन यादव को षड़यंत्र का आरोपी बनाया गया है।

खास-खबर

शराबी को भीड़ ने लात-घूंसों से भयंकर पीटा, सिर फटाः आने-जाने वाले लोगों को परेशान कर रहा था, गुस्साए लोगों ने सरेराह की पिटाई

भिलाई। भिलाई के सुपेला गदा चौक शराब दुकान के पास एक शराबी की पब्लिक ने बुरी तरह पिटाई कर दी। लोगों ने उसे इतना मारा कि उसका सिर फट गया। लोगों का आरोप था कि शराब के नशे में डंडा लेकर युवक सभी को मार रहा था। इससे कई राहगीर घायल हो गए। इसीलिए उसे मारा गया। बाद में सुपला पुलिस मौके पर पहुंची और शराब की अस्पताल लेकर गई। घायल का नाम दिलीप सहारे है। वह गदा चौक के पास ही रहता है। वह मुर्गी गाड़ी चलाता है। सोमवार शाम 4 बजे के करीब वह शराब के नशे में डंडा लेकर सड़क से आने-जाने वाले लोगों को दौड़ा दौड़ा कर मार रहा था। आसपास के लोगों व दुकान संचालकों ने उसे मना भी किया, लेकिन वह नहीं मान रहा था। दिलीप अपने पास एक पिट्ठू बैग रखा हुआ था। उस बैग को उसने एक बाइक चालक के चेहरे में फेंककर मारा इससे बाइक सवार सड़क पर गिर गया। इसके बाद वह दूर घिसटता चला गया और बुरी तरह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने बाइक सवार को उठाया। जिसके बाद लोग इतने गुस्से में आ गए कि पास पड़े बांस के डंडे से उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। करीब 50 से अधिक लोगों ने लात, घूंसे व डंडे से इतना मारा कि दिलीप का सिर फट गया और वह खून से लथपथ हो गया।

9वीं की छात्रा का अपहरण करने वाले प्रेमी और उसके तीन दोस्त गिरफ्तार

भिलाई। सुपेला पुलिस ने सोमवार को 15 वर्षीय नाबालिग का अपहरण करने वाले उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में रोहित सैनी उर्फ जीतू को छोड़कर बाकी तीन नाबालिग है। पुलिस ने सभी आरोपियों को धारा 363,366,376,342,34 के तहत गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक करीब ढाई महीने पहले 15 वर्षीय नाबालिग के परिजन की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने नाबालिग को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाकर उसके परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस की जांच में पता चला कि नाबालिग के अपहरण में परिजन ने 17 वर्षीय आरोपी प्रेमी पर शंका जाहिर की थी। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एएसआई रजनीकांत दीवान, खुशबु वर्मा, प्रधान आरक्षक संतोष शर्मा,आरक्षक सुरेंद्र पटेल और तोषी गोस्वामी की टीम को लगाया गया था। इसी आधार पर पुलिस ने तालपुरी इलाके से आरोपी को रविवार को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि करीब ढाई महीने पहले उसने नाबालिग लड़की का अपहरण किया था। फिलहाल सभी को जेल दाखिल कर दिया गया है।

मिर्च पाउडर डालकर बाइक शोरूम में 7 लाख 70 हजार की चोरी

पुलिस बोली-मिर्ची की गंध से भटक जाता है डॉग स्क्वायड

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में बाइक शो रूम का ताला तोड़कर चोरों ने धावा बोला दिया और दराज में रखे 7 लाख 70 हजार रुपए लेकर चंपत हो गए। शोरूम का ताला तोड़कर घुसे चोर अपने साथ मिर्च पाउडर लेकर आए थे, जिसे शोरूम में जगह-जगह बिखेर दिया था। पुलिस का कहना है कि चोरों ने डॉग स्क्वायड को चकमा देने के लिए मिर्च पाउडर का इस्तेमाल किया है। फिलहाल पुलिस चोरों की पहचान और तलाश करने सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र की है।

बिल्हा निवासी संजय बग्गा व्यवसायी हैं। उनका रायपुर रोड पर संजय मोटर्स के नाम से शो रूम है। रविवार देर शाम शोरूम में ताला लगाकर वह अपने कर्मचारियों के साथ घर चले गए थे। इस दौरान उन्होंने 7 लाख 70 हजार रुपए को लॉकर में छोड़ दिया था। रोज की तरह कर्मचारी मंगलवार सुबह शोरूम पहुंचे, तब सामने शटर का ताला टूटा हुआ मिला। इसके बाद उन्होंने संजय को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

8 माह से बंद था कैमरा

बिल्हा पुलिस मौके पर पहुंची और सूचना आला अधिकारियों को दी। इस दौरान टीआई अंजना केरकेट्टा पेशी में बाहर गई थी। लिहाजा, जांच के लिए डॉग स्क्वायड के साथ ही एंटी क्राइम एंड कंट्रोल यूनिट की टीम को भेजा गया। डॉग स्क्वायड से पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने शो रूम संचालक से वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मांगे, तब पता चला कि शोरूम का सीसीटीवी कैमरा बंद है। पूछताछ में संचालक ने बताया कि बीते आठ माह से कैमरा खराब पड़ा है।

चोरों ने शो रूम में बिखेर दिया था मिर्च पाउडर

चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद चोरों ने पूरे शोरूम में मिर्च पाउडर बिखेर दिया था। लॉकर के साथ ही आसपास भी मिर्च पाउडर डाल दिया था। पुलिस का कहना है कि चोरों ने सर्च डॉग को चकमा के लिए यह तरीका अपनाया होगा। बताया गया कि मिर्ची की गंध से डॉग भटक जाता है।

रोज बैंक में जमा करते थे रुपए

व्यवसायी संजय बग्गा ने पुलिस को बताया कि वह रोज शो में लेनदेन की रकम को बैंक में जमा करा देते थे। शाम को होने वाले लेनदेन की रकम ही उनके पास रहती थी। शनिवार और रविवार को बैंक बंद था। इसके कारण रकम को उन्होंने शोरूम में छोड़ दिया था। शोरूम में बड़ी रकम होने की जानकारी दुकान के कर्मचारियों के अलावा मालिक को ही थी। इससे पुलिस दुकान के कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है।

एंटी क्राइम एंड कंट्रोल यूनिट प्रभारी बोले- संदेहियों की हो रही तलाश

एंटी क्राइम एंड कंट्रोल यूनिट के प्रभारी हरविंदर सिंह ने बताया कि पूछताछ में कुछ संदेहियों के नाम सामने आए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। यह भी पता चला कि है कि दुकान में पहले भी चोरी की वारदात हो चुकी है। पुलिस की टीम सीसीटीवी कैमरे की मदद से भी संदेहियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

बेटा ही निकला हत्यारा

घर खर्च के लिए पैसे नहीं देने के कारण पिता को मार डाला

साजा। साजा थाना क्षेत्र के ग्राम अतरझोला में हुए गिरधारी सोनकर (50) हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि उसका बेटा ही है। घर खर्च के लिए पैसे नहीं देने और आए दिन झगड़ा करने की बात को लेकर आरोपी पुत्र ने सिर पर कुदाली मारकर अपने पिता की हत्या कर दी थी। कत्ल के बाद लाश की पीठ पर सर्विस तार के जरिए बोल्डर पत्थर बांधकर सुरही नदी में फेंक दिया था। एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी दौवा सोनकर (22) अतरझोला (थाना साजा) का रहने वाला है।

गांव में सुरही नदी किनारे उसके पिता गिरधारी सोनकर की 10 एकड़ कृषि भूमि है। वारदात वाले दिन 5 अगस्त की शाम को आरोपी दौवा अपने पिता के लिए खाना लेकर खेत गया था। खेत में बने झोपड़ीनुमा कुंदरा के अंदर में अपने पिता गिरधारी के सिर में कुदाली मारकर हत्या कर दी। फिर लाश की पीठ पर सर्विस तार से बोल्डर पत्थर को बांध दिया और खेत के पास सुरही नदी में फेंक दिया था। परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर मृतक के परिजन से पूछताछ में इसका खुलासा हुआ। आरोपी दौवा सोनकर के निशानदेही पर कुदाली, पत्थर, सर्विस वायर जब्त किया गया है।

वारदात 5 अगस्त की रात 8 बजे की है। हत्या के तीसरे दिन 7 अगस्त को सुरही नदी में गिरधारी की लाश मिली। इस दौरान आरोपी दौवाराम पुलिस को लगातार गुमराह करते रहा। आरोपी ने बताया कि वारदात वाली सुबह 8 बजे वह अपने पिता के लिए खाना पहुंचाने खेत गया था।

तब उसके पिता ने कहा था कि घर में सब बीमार हैं। इलाज के लिए लकड़ी बेचा हूं, उसका पैसा लेने बरगड़ा जाने की बात कही थी। उस रात गिरधारी घर नहीं पहुंचा। दूसरे दिन खाना छोड़ने खेत गया, तब भी गिरधारी वहां नहीं था। इसके बाद खोजबीन शुरू हुई। 7 अगस्त की सुबह नदी में लाश मिली थी। मामले में आरोपी दौवाराम को धारा 302, 201 के तहत कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजा गया है।

ऑटो चालक की पीट-पीटकर हत्या, मचा बवाल

रोती बिलखती थाने पहुंची पत्नी, बोली- साहब उन बदमाशों को फांसी पर लटकाओ

रायपुर (ए)। रायपुर के भाटागांव स्थित बीएसयूपी कॉलोनी में एक युवक की हत्या कर दी गई। दो दिन पहले इस युवक पर जानलेवा हमला हुआ था, एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। सोमवार को इस युवक की मौत हो गई। परिजन उसका शव लेकर टिकरापारा थाने पहुंच गए और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लोगों ने थाने का घेराव कर हंगामा कर दिया।

युवक का नाम अजय तांडी बताया जा रहा है। अजय ऑटो चलाने का काम करता था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि भाटागांव कॉलोनी में रहने वाले एक युवक के साथ मिलकर बाहर से आए तीन युवकों ने मिलकर 6 अगस्त को अजय पर आधी रात करीब 3 बजे हमला किया था। उसे बत्ते से पीटा, इतना मारा था कि अजय अधमरा हो गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया मारपीट करने वाले हमलावर नशाखोरी करते थे। अजय से भी नशे की चीजों के लिए रुपए मांगा था। मोबाइल फोन को लेकर भी कोई पुराना विवाद हुआ था। इसके बाद आधी रात घर घुसकर उसपर हमला किया गया। हालांकि पुलिस ने इस कांड को लेकर अब तक कुछ भी नहीं कहा है, परिजनों से पूछताछ जारी है। हमले में शामिल 1 युवक को हिरासत में लिया गया है। बाकियों की तलाश जारी है। अजय के पड़ोस में रहने वाले युवकों ने बताया हमलावरों ने अजय को पीटा और इसका वीडियो भी बनाया। एक हमलावर चाकू रखे हुए था और कह रहा था चाकू मार इसको चाकू। ये वीडियो सोशल मीडिया में डालकर लोगों को डराने की कोशिश की गई। लोगों ने बताया कि ये जानकारी थाने में दी। मगर कोई कार्रवाई दो दिनों तक नहीं हुई। थाने में अजय की पत्नी भी आई। लोग अजय का शव लेकर थाने पहुंचे थे। भीड़ बढ़ी तो पुलिस महकमे के अफसर भी आए। रोते हुए अजय की पत्नी ने कहा कि साहब मेरे पति को मार दिया, उन बदमाशों को फांसी होनी चाहिए। अफसरों ने कहा जांच कर रहे हैं, आप अपनी बात कोर्ट में रखिएगा, थाने में हंगामा करने वालों को पुलिस समझा-बुझाकर भेजा। करीब 2 घंटे थाने में गहमा-गहमी का माहौल रहा।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

पेंशन अदालत का आयोजन

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों / अशक्तता पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में **15.09.2022** एवं **19.09.2022** (AIPA) को प्रातः **11:00** बजे **पेंशन अदालत** का आयोजन किया जाएगा।

यदि आप को सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाले बकाया निपटान (पेमेंट ऑफ सेटलमेंट ड्यूज) से सम्बंधित अथवा पेंशन भुगतान सम्बंधित कोई शिकायत है, तो आप अपना अभ्यावेदन दो प्रतियों में दिनांक 23.08.2022 तक प्रस्तुत करें। न्यायालय में लंबित प्रकरण, नियुक्ति तथा अन्य नीतिगत मामलों को पेंशन अदालत में शामिल नहीं किया जाएगा। सेवानिवृत्त वे सभी कर्मचारी जिन्हे इस सम्बन्ध में अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करने है, वे आवेदन पत्र वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर, न्यू डी.आर.एम. ऑफिस, खमतराई, रायपुर (छ.ग.) 492008 के कार्यालय में दिनांक 23.08.2022 तक निम्नलिखित प्रारूप में जमा कर दें।

आवेदन का प्रारूप

1	पी.पी.ओ. क्रमांक	
2	सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम	
3	पदनाम (सेवानिवृत्त / अशक्तता पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर के समय)	
4	मंडल / यूनिट का नाम / अंतिम कार्यस्थल	
5	विभाग	
6	मंडल / कार्यालय	
7	अंतिम वेतन	
8	सेवानिवृत्त / अशक्तता / मृत्यु का दिनांक	
9	मोबाइल / टेलीफोन नंबर	
10	पत्राचार के लिए पता	
11	सेवानिवृत्त / अशक्तता पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर के शिकायत का विस्तृत विवरण	

नोटः (पी.पी.ओ. एवं सेवा प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करें)

पीआर/ आर/ सीनि.डीपीओ/ पीसी/96

आवेदक के हस्ताक्षर

South East Central Railway @secrail

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

जय जोहार जय छत्तीसगढ़

आदिवासियों को मिल रहे अधिकार
विश्वास के साथ विकास गढ़ रही छत्तीसगढ़ सरकार

जंगल व जमीन पर अधिकार

- लोहंडीगुड़ा के आदिवासी किसानों की 4200 एकड़ अधिग्रहित भूमि वापस
- वनाश्रितों को मिला 96 लाख एकड़ जंगल जमीन व उनके संसाधनों पर अधिकार

अंतिम छोर तक शिक्षा

- बस्तर के नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में डेढ़ दशक से बंद 300 स्कूल फिर संचालित

दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं

- आदिवासी दुर्गम क्षेत्रों में नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं
- बस्तर में कुपोषण के मामलों, मलेरिया के प्रकोप और मृत्यु दर में भारी गिरावट

आर्थिक सशक्तीकरण

- 7 से बढ़ाकर 65 लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 2500 रुपए से बढ़ाकर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा

न्याय के अवसर

- आदिवासियों के खिलाफ चल रहे प्रकरणों के लिए गठित कमेटी की समीक्षा के बाद 944 आदिवासियों की रिहाई

विश्वमंच पर आदि-रंग

- प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन
- आदिवासी आस्था के चिन्ह एवं प्रतीक, देवगुडियों का विकास एवं संरक्षण

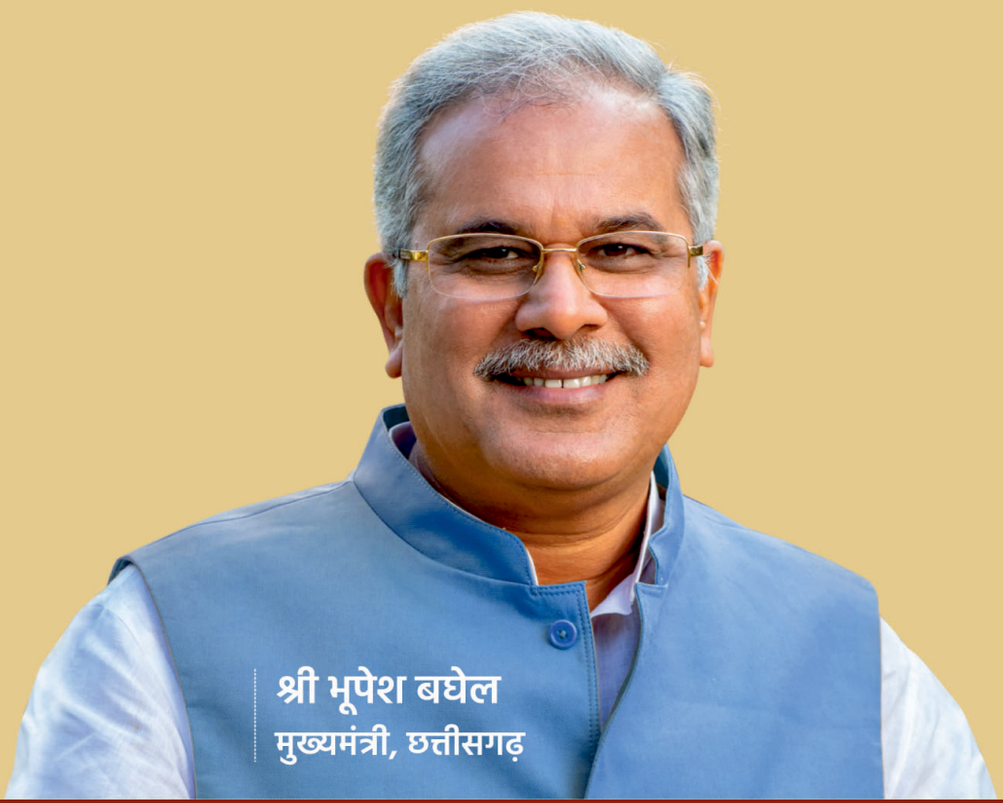

RO-33471/84

आदिवासी अस्मिता और संस्कृति के संरक्षण में अग्रणी

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950